RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 20 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :24 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 क्या भारत की पूरी घेराबंदी कर रहा है अमेरिका?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 245 | गाजियाबाद, शुक्रवार 20 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

थाने के सामने बदमाशों ने पूर्व विधायक के भतिजे की गोली मार कर हत्या

मृतक के पिता का आरोप- घटना के दौरान पुलिसकर्मी बनाते रहे वीडियो

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कमिशनरेट बनने के दो साल बाद भी जिले में अपराध नियंत्रण करने में पुलिस पुरी तरह नाकाम रही है। बुधवार की रात मुरादनगर थाने के सामने बदमाशों ने पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा के भतिजे की गोली मार कर हत्या कर दी। घटना के बाद आला अधिकारियों ने लापरवाही बरतने का अरोप लगाकार स्थानीय थाना प्रभारी समेत कई पुलिस वालों को निलंबित कर दिया।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि कार निकालने को लेकर हुए विवाद के बाद व्यक्ति को गोली मार दी गई।

मामला गाजियाबाद के मुरादनगर थाने का है। बुधवार रात 10 बजे रवि शर्मा (35 वर्षीय) नाम का शख्स कार निकाल रहा था, तभी रवि का अजय और मोंटी से कार निकालने को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी रवि शर्मा के घर पहुंचे और उसके साथ मारपीट की।

इसके बाद रवि अपने भाई के साथ मारपीट की शिकायत करने मुरादनगर थाने पहुंचा। इसी दौरान थाने के गेट पर अजय और मोंटी ने रवि शर्मा पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। चार गोली लगने से रवि शर्मा लहूलुहान हालत में जमीन पर गिर गया। इसके बाद तुरंत रवि को अस्पताल ले जाया गया, जहां अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डी सी पी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि गाजियाबाद के मिल्क रावली गांव में फायरिंग की घटना की जानकारी मिली थी। पता चला है कि रवि शर्मा नाम का शख्स अपने परिवार के सदस्यों के साथ एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचा था।

इसी बीच आरोपी मोंटी ने एफआईआर प्रक्रिया के दौरान पुलिस स्टेशन के पास रवि शर्मा को गोली मार दी। रवि ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मोंटी और अजय के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने टीमें गठित कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और आगे की कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है।

मृतक के पिता रविंद्र शर्मा ने बताया कि रवि की अजय और मोंटी के साथ कहासुनी हुई थी। इस मामले को लेकर हम पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे, तभी अजय और मोंटी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस स्टेशन के पास ही फायरिंग कर दी। इस घटना में रवि को गोली लग गई और अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के समय करीब चार पुलिसकर्मी थाने के बाहर खड़े थे और उन्होंने कुछ नहीं किया, वे सिर्फ वीडियो बनाते रहे। मैं सीएम योगी से मांग करता हूं कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

मुर्मू ने विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस की सराहना की

✷ वेबवार्ता. बड़वानी ✷

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में 'विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस' आयोजित करने के लिए अपने संदेश के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार की सराहना की है। उनका आज का बड़वानी जिले के तलून में प्रश्तावित द्वारा रद्द हो गया था।

राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि वह 19 जून 2025 को मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में 'विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस' आयोजित करने के लिए राज्य सरकार की सराहना करती हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली सिकल सेल एनीमिया, भारत में जनजातीय आबादी को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इसके विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की दिशा में इस दिवस का मनाया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा 'दशकों से हमारे आदिवासी समुदाय और पिछड़े क्षेत्रों में कई लोग सिकल सेल एनीमिया का कष्ट झेलते रहे हैं। बीमारी के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसार को रोकने के लिए समुदाय श्तर पर स्क्रीनिंग जांच द्वारा पहचान कर जेनेटिक काउंसलिंग एवं प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा 'वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने का राष्ट्रीय संकल्प इस समस्या को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है'।

पांच विधानसभा सीटों के उपचुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, नीलाम्बुर सीट पर 73 प्रतिशत से अधिक मतदान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चार राज्यों की पांच सीटों के लिये गुरुवार को विधानसभा के उप चुनावों मतदान हुआ। मतदान में केरल की नीलाम्बुर सीट पर सर्वाधिक 73 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ जबकि पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर सबसे कम 51.33 प्रतिशत मतदाता ही वोट देने आये।

चुनाव आयोग के अनुसार सभी सीटों पर मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इन उप चुनावों में आयोग ने पहली बार सभी मतदान केन्द्रों पर मोबाइल फोन जमा कराने की सुविधा, मतदान की शत-प्रतिशत वेबकॉस्टिंग और मतदान की गति को अद्यतन करने की नयी प्रक्रिया लागू की थी। आयोग का कहना है कि ये पहलें पूरी तरह सफल रही हैं और उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में लागू किया जा सकता है।

चुनाव आयोग की ओर से इन सीटों के मतदान के बारे में शाम 2045 बजे तक उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार केरल विधानसभा की नीलाम्बुर सीट पर सबसे अधिक 73.26 प्रतिशत और पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर सबसे कम 51.33 प्रतिशत मतदान हुआ।

आयोग के अनुसार गुजरात की विसावादार सीट पर पांच बजे तक

54.61 प्रतिशत और कडी सीट पर 54.49 प्रतिशत मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर 69.85 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इश्तेमाल किया।

गुजरात विधानसभा चुनाव के समय विसावादार सीट आम आदमी पार्टी ने जीती थी लेकिन उसके विधायक के पाला बदलने तथा इश्तीफा देने के कारण यह सीट रिक्त है। कडी सीट भाजपा विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन के कारण खाली है। पार्टी ने इस सीट पर राजेंद्र चावड़ा को उतारा है, जबकि कांग्रेस ने रमेश चावड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) ने जगदीश चावड़ा को उम्मीदवार बनाया है।

पश्चिम बंगाल में कुछ एक मतदान केन्द्रों पर छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। कालीगंज सीट पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा और कांग्रेस-वाम गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है।

ईडी का बिहार कांस्टेबल भर्ती घोटाले में कई राज्यों में छापा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज बिहार में 2023 के दौरान कांस्टेबलों की भर्ती में कथित घोटाले की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में कई राज्यों में करीब एक दर्जन स्थानों पर छापा मारा है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने बिहार में 2023 के दौरान कांस्टेबलों की भर्ती में कथित घोटाले के सिलसिले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत कई राज्यों में छापा मारा है। बिहार के पटना, नालंदा, झारखंड के रांची, उत्तर प्रदेश के लखनऊ और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में कम से कम एक दर्जन स्थानों पर यह कार्रवाई जारी है। बताया जा रहा है कि इस कथित घोटाले के मास्टरमाइंड 2024 के नीट यूजी पेपर लीक घोटाले के मास्टरमाइंड हैं।

तमिलनाडु पुलिस अधिकारी का मामला अन्य पीठ को सौंपने का सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने अपहरण के एक मामले में तमिलनाडु के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एच एम जयराम के संलिप्त होने के आरोप से संबंधित उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करते हुए गुरुवार को इससे किसी अन्य पीठ में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस ने इसके अलावा तमिलनाडु सरकार से संबंधित मामले की जांच अपराध शाखा - आपराधिक जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) को सौंपने का भी आदेश दिया। पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा,"हम मुख्य न्यायाधीश (तमिलनाडु उच्च न्यायालय) से इसे (मामले को) किसी अन्य पीठ को सौंपने का अनुरोध करेंगे।" वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने उच्च न्यायालय के सोमवार के उक्त आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका दायर की थी।

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की सफल यात्रा के बाद स्वदेश लौटे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया की अपनी तीन देशों की यात्रा पूरी करने के बाद गुरुवार को स्वदेश लौट आए। यह यात्रा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देने और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई थी। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए दिल्ली हवाई अड्डे पर मंत्रिमंडल के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। यात्रा की पहली कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स से मुलाकात की। दोनों देशों ने ऊर्जा, आईटी और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत और साइप्रस के बीच दोहरे कराधान से बचाव समेत तीन समझौतों पर हश्ताक्षर हुए।

प्रियंका को अमेरिका जाने की अनुमति केंद्र ने नही दी, विवाद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र सरकार ने कर्नाटक के आईटी एवं बायोटेक्नोलॉजी मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे को अमेरिका जाने की इजाजत नहीं दी। इसको लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। प्रियांक खड़गे अमेरिका में टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले थे, लेकिन उन्हें अंतिम समय पर यात्रा की अनुमति नहीं मिली। एक्स पर एक पोस्ट में प्रियांक ने कहा कि वह फिलहाल इस विषय पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन बेंगलुरु लौटने के बाद केंद्र सरकार से इस फैसले पर स्पष्टीकरण मांगेंगे। उन्होंने लिखा- मैं अभी इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक बयान देने से बच रहा हूं। भारत सरकार से अनुमति न देने का स्पष्ट कारण पूछूंगा। प्रियांक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं।

संविधान की 75 वर्षों की यात्रा महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी : गवई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भारतीय संविधान के पिछले 75 वर्षों की यात्रा को महान महत्वाकांक्षा और महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी करार देते हुए कहा कि सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में इस अवधि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उन्होंने इटली के प्रमुख शहर 'मिलान' में 'सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में संविधान की भूमिका' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान यह विचार व्यक्त किया। उन्होंने बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा, "भूमि और कृषि सुधारों ने सामंती संरचनाओं को खत्म करने, जड़ जमाए पदानुक्रमों की जकड़न को तोड़ने और भूमि और आजीविका तक पहुंच को फिर से वितरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनगिनत भूमिहीन और हाशिए पर पड़े व्यक्तियों, विशेष रूप से उत्पीड़ित जातियों और समुदायों के लिए ये सुधार आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मान हासिल करने का पहला वाश्तविक अवसर था।"

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली संरचनात्मक असमानताओं को संबोधित किए बिना कोई भी

राष्ट्र वाश्तव में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। दूसरे शब्दों में, सामाजिक-आर्थिक न्याय दीर्घकालिक स्थिरता, सामाजिक सामंजस्य और सतत विकास प्राप्त करने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता है।" सीजेआई ने स्वतंत्रता के बाद से किए गए न्यायिक और विधायी उपायों की सूची पर प्रकाश डालते हुए कहा, "हमें सामाजिक-आर्थिक न्याय की अनिवार्यता को समझना चाहिए। यह केवल पुनर्वितरण या कल्याण का मामला नहीं है। यह प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने, अपनी पूरी मानवीय क्षमता का एहसास करने और देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में समान रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने के बारे में है।"

PMY के तहत 2.35 लाख मकानों के निर्माण को मंजूरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के अंतर्गत 2.35 लाख मकानों के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने आज बताया कि केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (सीएसएमसी) की तीसरी बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 के अंतर्गत 2.35 लाख मकानों के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने बैठक के दौरान बड़े राज्यों को किफायती आवास नीति तैयार करने और पीएमएवाई-यू 2.0 के साझेदारी में किफायती आवास (एएचपी) वर्टिकल के अंतर्गत प्रश्ताव लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य/केंद्र शासित प्रदेश महाराष्ट्र राज्य की किफायती आवास नीति का अध्ययन कर सकते हैं और उसे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अपना सकते हैं।

पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत आज स्वीकृत किए गए मकानों में से 1.25 लाख से अधिक मकान अकेली महिलाओं के लिए स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें एकल महिलाएं और विधवाएं शामिल हैं, जिससे महिलाओं का सशक्तिकरण सुनिश्चित हुआ है।

गुवाहाटी संस्थान के वैज्ञानिकों ने "जहरीले पौधों के औषधीय गुण" का पता लगाया

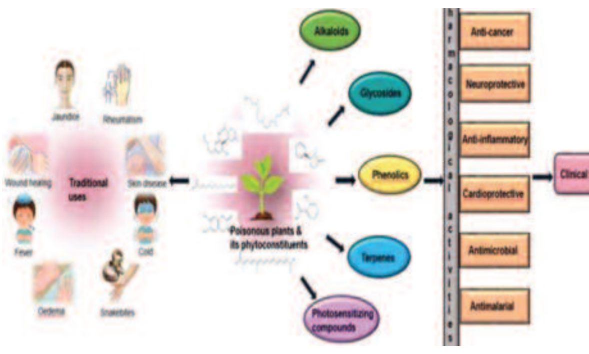

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के गुवाहाटी स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएएसएसटी) के शोधकर्ताओं ने 70 जहरीले पौधों की प्रजातियों की पहचान की, जिनका उपयोग पारंपरिक रूप से बुखार और जुकाम से लेकर त्वचा रोगों और एडिमा तक कई तरह की बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है।

इन पौधों का उपयोग पहले से ही होम्योपैथी और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में किया जाता है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि पौधे फाइटोकेमिकल्स उत्पन्न करते हैं- प्राकृतिक यौगिक जो उनके स्वयं के अश्तित्व के लिए उपयोग किए जाते हैं और मानव जीव विज्ञान को भी प्रभावित कर सकते हैं। वहीं इनमें से कुछ विषाक्त होते हैं, लेकिन कुछ को पृथक करके संशोधित करने पर उनमें औषधीय गुण प्रचुर मात्रा में होते हैं।

आईएएसएसटी के निदेशक प्रोफेसर आशीष के मुखर्जी और वरिष्ठ शोध फेलो भाग्य लखमी राजबोंगशी के नेतृत्व में एक शोध दल ने मौजूदा साहित्य की समीक्षा की और 70 जहरीले पौधों की प्रजातियों की पहचान की, जिनका उपयोग पारंपरिक रूप से बुखार और जुकाम से लेकर त्वचा रोगों और एडिमा तक कई तरह की बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। इन पौधों का उपयोग पहले से ही होम्योपैथी और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में किया जाता है।

शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि पौधे फाइटोकेमिकल्स उत्पन्न करते हैं- प्राकृतिक यौगिक जो उनके स्वयं के अशितत्व के लिए उपयोग किए जाते हैं और मानव जीव विज्ञान को भी प्रभावित कर सकते हैं। वहीं इनमें से कुछ विषाक्त होते हैं, लेकिन कुछ को पृथक करके संशोधित करने पर उनमें औषधीय गुण प्रचुर मात्रा में होते हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार आधुनिक फार्माकोलॉजी इन फाइटोकेमिकल्स की क्षमता को पहचानने लगी है। इन विषैले यौगिकों को सावधानीपूर्वक वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ शक्तिशाली चिकित्सीय घटकों में बदला जा सकता है। टॉक्सिकॉनः एक्स (एल्सेवियर) में प्रकाशित अध्ययन ने कहा कि इन प्राकृतिक विषाक्त तत्वों का अध्ययन, वैधीकृत कैसे किया जा सकता है और संभावित रूप से इन्हें जीवनरक्षक दवाओं में कैसे बदला जा सकता है।

बीस जुलाई से हिंडन हवाई अड्डे से उड़ान भरेगी इंडिगो

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

एयरलाइन इंडिगो 20 जुलाई से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दिल्ली के अलावा गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे से आठ शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है।

एयरलाइन ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि इंडिगो 20 जुलाई से हिंडन हवाई अड्डे से आठ शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, इंदौर, कोलकाता, मुंबई, पटना और वाराणसी के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने जा रही है।

योग दिवस पर सुबह 4 बजे शुरू हो जायेगी मेट्रो

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली मेट्रो 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी योग प्रतिभागियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए सुबह चार बजे से अपनी सेवाओं की शुरूआत करेगी।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी)ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि ये सेवाएं सभी मेट्रो स्टेशनों पर सुबह चार बजे से उपलब्ध होंगी और प्रत्येक तीस मिनट के अंतराल पर यह सुविधा होगी।

इसके बाद दैनिक समय सारिणी के अनुसार सेवाएं निर्धारित समय पर चलती रहेंगी।

कांवड़ यात्रा को सुचारू बनाना सरकार की प्राथमिकता : सूद

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली के गृह और ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली की जनता को किसी प्रकार की बाधा न आए तथा दिल्ली भी सुचारू रूप से चले यह भी हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है।

श्री सूद ने आज कांवड़ यात्रा 2025 की तैयारियों को लेकर एक उच्चश्तरीय समीक्षा बैठक की।

संक्षिप्त समाचार

यूपी के गाजियाबाद में थाने के सामने गोली मारकर मर्डर, कार निकालने के विवाद में बवाल

मुरादनगर, एजेंसी। यूपी के गाजियाबाद के मुरादनगर में चौंकाने वाली वारदात हुई है। मुरादनगर थाने के सामने बुधवार रात सवा बारह बजे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव मिल्क रावली निवासी रवि शर्मा के रूप में हुई है। परिजनों ने शव को थाने के सामने रखकर प्रदर्शन किया और आरोपी के एनकाउंटर की मांग की। रवि शर्मा और आरोपी अजय व मोंटी के बीच बुधवार रात करीब दस बजे कार निकालने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद आरोपी रवि के घर पहुंचे और मारपीट की। आरोपी अजय ने रवि के घर के गेट पर दो फायर भी किए। पीड़ित पक्ष ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस की सलाह पर रवि अपने भाई के साथ थाने शिकायत करने पहुंचा। आरोपी भी वहां आ गए। इसी दौरान अजय और मोंटी ने रवि पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। चार गोलियां लगने से रवि जमीन पर गिर गए। आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल रवि को मोदीनगर के निवोक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। सूचना पर डीसीपी ग्रामीण और एसीपी मसूरी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों ने शव थाने के गेट पर रखकर हंगामा करना शुरू कर दिया है। महिलाओं की मांग है आरोपियों का घर पर बुलडोजर चले और एनकाउंटर किया जाए। उनका कहना है कि जैसा हमारा मरा है, वैसे ही आरोपी का भी एनकाउंटर होना चाहिए। मौके पर पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा भी पहुंचे।

आउटफिट आपके मुताबिक होना चाहिए, न कि आपको आउटफिट के मुताबिक ढलना चाहिए: प्रिशा

मुंबई, एजेंसी। कलर्स के शो 'मेरी भव्य लाइफ' में जल्द ही शादी की शहनाइयाँ गूंजने वाली हैं, क्योंकि भव्या (प्रिशा धतवालिया का किरदार) और ऋशांक (करण वोहरा) अपनी शादी की तैयारियों में जुटे हैं - रस्मों, उत्साह और उस खास ब्राइडल आउटफिट की तलाश का खूबसूरत दौर। बहुतों के लिए यह एक ऐसा सपना होता है जो पेस्टल रंगों, लाल चुनरियों या अपने मनचाहे अंदाज़ में रंगा होता है। लेकिन इन चमकते सिक्विन्स और रेशमी कपड़ों के पीछे एक खामोश जद्दोजहद भी होती है, जो अक्सर नज़रअंदाज़ कर दी जाती है। जहां अधिकतर दुल्हनें अपने वेडिंग लुक के सपने देखती हैं, वहीं प्लस साइज महिलाएं अक्सर एक अलग हकीकत का सामना करती हैं। 'मेरी भव्य लाइफ' के वर्तमान ट्रैक में भव्या को ऋशांक की माँ साक्षी के मानसिक खेलों का शिकार बनना पड़ता है। साक्षी उसे जबरदस्ती एक ऐसा ड्रेस पहनने को मजबूर कर देती हैं जो साफ़ तौर पर बहुत टाइट है, जिससे भव्या को आखिरी समय में उसमें बदलाव करवाने पड़ते हैं ताकि वह सहज महसूस कर सके। लेकिन साक्षी की योजना यहीं खत्म नहीं होती। प्लस साइज ब्राइडल फैशन पर प्रिशा कहती हैं, हर कोई यह बात करता है कि अपनी शादी का आउटफिट खरीदना कितना एक्साइटिंग होता है - रंग, डिज़ाइन, चमक - लेकिन कोई यह नहीं बताता कि जब आपको पता हो कि स्टोर की ज्यादातर ड्रेस आपके साइज की नहीं है, तब अंदर ही अंदर कितना डर बैठ जाता है। अचानक विकल्प कम हो जाते हैं।

ब्रैड एक आइकॉन हैं, और मैं चाहता था कि सॉनी भी वैसे ही हो: जोसेफ कोसिंस्की

मुंबई, एजेंसी। एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स और टॉप गन- मैवरिक की टीम लेकर आ रही है एक्शन और रोमांच से भरपूर फीचर फिल्म एफ1- द मूवी, जिसमें ऑस्कर विजेता ब्रैड पिट मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन जोसेफ कोसिंस्की ने किया है। वहीं, फिल्म को जेरी ब्रुकहाइमर, कोसिंस्की, सात बार के फॉर्मूला 1 वर्ल्ड चैंपियन लुईस हैमिल्टन, ब्रैड पिट, डीडी गार्डनर, जेरेमी क्लेनर और चैड ओमान ने निर्मित किया है। इस शानदार टीम में जब लुईस हैमिल्टन जैसे अनुभवी रेसर निर्माता के तौर पर जुड़े और माहिर लेखक एरेन क्रूगर ने स्क्रीनप्ले की कमान संभाली, तो मेकर्स ने लीड रोल- सॉनी हेज़ के लिए जिस पहले नाम को चुना, वे थे- ब्रैड पिट। निर्देशक कोसिंस्की बताते हैं, ब्रैड पिट ने इस भूमिका में वह सब कुछ दिया, जिसकी हमें जरूरत थी। उन्होंने अपने अभिनय से फिल्म को एक नई ऊर्जा दी है। निर्देशक जोसेफ कोसिंस्की कहते हैं, ब्रैड एक आइकॉन हैं, और मैं चाहता था कि सॉनी हेज़ भी वैसे ही आइकॉनिक लगे। वैसे तो यह किरदार ब्रैड के लिए ही लिखा गया था।

राजस्थान कांग्रेस चीफ डोटासरा ने 17 नेताओं को थमाया नोटिस

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी सर्जरी की शुरुआत हो गई है। प्रदेश नेतृत्व ने अब उन चेहरों की पहचान शुरू कर दी है जो संगठन के कामकाज में रुचि नहीं ले रहे। इसी कड़ी में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के 17 ब्लॉक अध्यक्षों को कारण बताओ नोटिस थमाया है। यह संकेत है कि कांग्रेस अब संगठन में निष्क्रियता बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

मामले की पुष्टि करते हुए कांग्रेस महासचिव व मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि संगठनात्मक सुस्ती और विधानसभा समन्वयकों को सहयोग न देने के कारण यह नोटिस जारी किए गए हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी ने हाल ही में विधानसभा स्तर पर बैठकें कर समन्वयकों से फीडबैक मंगवाया था। जिन नेताओं का कामकाज सवालों के घेरे में आया, उन पर अब एक्शन की शुरुआत हो चुकी है। सूत्रों का कहना है कि ये सिर्फ एक शुरुआत है – जल्द ही और नाम सामने आ सकते हैं। संगठन के अंदर निष्क्रियता पर अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

इससे पहले 17 जून को डोटासरा ने जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम में भरतपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर संभागों के विधानसभा समन्वयकों के साथ मैराथन बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने वन-टू-वन संवाद कर हर समन्वयक से उनके क्षेत्र की जमीनी हकीकत जानी। खासकर संगठन सृजन अभियान के तहत चल रहे कामों की समीक्षा की गई और यह परखा गया कि कौन सा ब्लॉक अध्यक्ष

कितना एक्टिव है और कौन सिर्फ नाम मात्र का पदाधिकारी है। नोटिस जारी करते हुए डोटासरा ने इन 17 ब्लॉक अध्यक्षों से 7 दिन के भीतर जवाब मांगा है। यदि तय समय पर संतोषजनक जवाब नहीं आया तो इन पदाधिकारियों की संगठन से छुट्टी भी हो सकती है। पार्टी सूत्रों की मानें तो नोटिस मिलने के बाद कई जिलों में हलचल तेज हो गई है और कुछ जगहों पर डैमेज कंट्रोल की कवायद भी शुरू हो चुकी है। कांग्रेस हाईकमान द्वारा गुजरात में हुए अधिवेशन के बाद संगठनात्मक सशक्तिकरण को लेकर राज्यों को निर्देश दिए गए थे। राजस्थान में इस दिशा में सबसे तेजी से काम हुआ। डोटासरा के नेतृत्व में पार्टी ने 58 हजार से अधिक पदाधिकारियों का डिजिटल डाटा तैयार करवाया है, जिसमें हर नेता की सक्रियता, बैठकों में उपस्थिति, कार्यक्रमों में भागीदारी, और ग्रासरूट नेटवर्क का पूरा लेखा-जोखा शामिल है। इसी डाटा के आधार पर अब कार्रवाई हो रही है।पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, यह सिर्फ ट्रेलर है। अब पार्टी संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए 'क्लीनिंग ऑपरेशन' चला रही है। आने वाले समय में जिला और मंडल स्तर पर भी निष्क्रिय नेताओं की सूची तैयार की जा रही है। फीडबैक रिपोर्ट और डाटा एनालिसिस के जरिए उन चेहरों की पहचान की जा रही है जो पार्टी के लिए अब 'बोझ' बन चुके हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने अब संगठन पर पूरा फोकस किया है। ऐसे में यह कार्रवाई न सिर्फ सख्ती का संकेत है, बल्कि पार्टी के भीतर कार्यकर्ताओं को एक सख्त संदेश भी – या तो एक्टिव बनो, या बाहर हो जाओ! सवाल ये है कि क्या यह 'ऑपरेशन क्लीन' पार्टी की नींव को फिर से मज़बूत कर पाएगा या फिर ये महज दिखावे की कवायद बनकर रह जाएगा? फिलहाल कांग्रेस संगठन में हलचल साफ नजर आ रही है, और सस्पेंस बना हुआ है कि अगली लिस्ट में कौन-कौन होंगे।

छत्तीसगढ़ में खत्म होगी 5 डे वर्किंग, सरकार के इस प्लान पर सियासी संग्राम शुरू

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ में सरकारी दफ्तरों में हफ्ते में पांच दिन काम को खत्म करने की चर्चा ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। बीजेपी सरकार के इस कदम से कर्मचारी भड़के हुए हैं, तो कांग्रेस इसे लेकर सरकार पर निशाना साध रही है। कर्मचारियों ने इसके खिलाफ आंदोलन करने और सड़क पर उतरने की बात कही है। ये पूरा मामला क्या है? आइए समझते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संकेत दिए हैं कि पांच दिन का वर्क वीक खत्म हो सकता है। उनका कहना है कि दो दिन की छुट्टी (शनिवार-रविवार) से प्रशासनिक कामकाज में सुस्ती आ रही है। सीनियर अफसरों का मानना है कि शुक्रवार दोपहर को कर्मचारियों की जल्दी निकलने की आदत और मंगलवार को होने वाली टाइम-लिमिट (टीएल) मीटिंग्स के चलते काम का ढेर लग रहा है। साय का तर्क है कि इससे गवर्नेंस की रफ्तार धीमी पड़ रही है।

कांग्रेस ने इस कदम को कर्मचारी-विरोधी करार दिया है। पार्टी के प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने तीखा हमला

बोलते हुए कहा, अगर सीएम को पांच दिन का वर्क वीक इतना बुरा लगता है, तो केंद्र सरकार से भी इसे खत्म करने को कहें। ये फैसला कर्मचारियों में टकराव पैदा करेगा। कांग्रेस का दावा है कि 2022 में भूपेश बघेल सरकार ने शुरू की गई इस व्यवस्था से वर्क-लाइफ बैलेंस बेहतर हुआ और कामकाज की गुणवत्ता बढ़ी।

कर्मचारी यूनियनों ने इस प्रस्ताव को गलत बताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। एक यूनियन नेता ने तल्ख लहजे में कहा, मुख्यमंत्री को सलाह देने वाले जरूर कुंठित लोग होंगे। पांच दिन के वर्क वीक ने हमें रिचार्ज होने का मौका दिया और इससे काम भी बेहतर हुआ। कर्मचारियों का कहना है कि बिना चर्चा के फैसला थोपा गया, तो सड़कों पर उतरना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के 100 से ज्यादा सक्रिय मामले फिर से सामने आए हैं, जिसने स्वास्थ्य अलर्ट को तेज कर दिया है। ऐसे में प्रशासनिक मशीनरी की चुस्ती पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार का दावा है कि दो दिन की छुट्टी और शुक्रवार की जल्दबाजी से जरूरी सेवाओं में देरी हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि प्रशासनिक कामकाज में अड़चनें और सर्विस डिलीवरी में बाधा आ रही है।

फरवरी 2022 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पांच दिन का कार्य सप्ताह शुरू किया था। इसके तहत कर्मचारी पांच दिन ज्यादा घंटे काम करते थे, और शनिवार-रविवार को छुट्टी मिलती थी। इसका मकसद था वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देना और प्रशासनिक दक्षता सुधारना। लेकिन अब बीजेपी सरकार इसे उलटने की तैयारी में है।

यह विवाद तब और गर्माएगा, जब सरकार कोई अंतिम फैसला लेगी। कर्मचारी यूनियनों की नाराजगी और कांग्रेस की सियासी बयानबाजी से बीजेपी के लिए ये फैसला आसान नहीं होगा। दूसरी ओर, कोविड के बढ़ते मामलों के बीच प्रशासनिक सुस्ती का हवाला देकर सरकार अपने रुख पर अड़ी रह सकती है।

कर्नाटक में फिर गरमाया नंदिनी-अमूल डेयरी का विवाद

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में एक बार फिर नंदिनी बनाम अमूल डेयरी का विवाद राजनीतिक लड़ाई बनती जा रही है। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने गुजरात स्थित डेयरी ब्रांड अमूल को बेंगलुरु के 10 मेट्रो स्टेशनों पर कियोस्क खोलने की अनुमति दी है। अब विपक्षी दल भाजपा और जेडीएस कांग्रेस की सिद्धरमैया सरकार के इस कदम की आलोचना कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि राज्य सरकार राज्य द्वारा संचालित ब्रांड नंदिनी को बढ़ावा देने में विफल रही है।

बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कियोस्क स्थापित करने के लिए टेंडर जारी किया था। यह टेंडर अमूल डेयरी को मिला है। विपक्ष के नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार को चाहिए था कि सभी 10 कियोस्क के संचालन का जिम्मा कर्नाटक मिल्क फेडरेशन द्वारा संचालित नंदिनी ब्रांड को दे देना चाहिए था।

कमीशन के लिए अपना आत्मसम्मान बेच दिया : जेडीएस

कांग्रेस के पूर्व सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) ने कन्नड़ में नंदिनी बचाओ हैशटैग के साथ एक लंबे एक्स पोस्ट में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर निशाना साधा है।जेडीएस ने सोशल मीडिया पर डीके शिवकुमार पर कमीशन के लिए अपना आत्मसम्मान बेचने का आरोप लगाया है और कहा है कि 2023 के विधानसभा चुनाव में वोट जीतने के लिए कांग्रेस ने नंदिनी ब्रांड का इस्तेमाल किया था। 2023 में भी गहराई थी नंदिनी बनाम अमूल डेयरी की लड़ाई बता दें कि 2023 के चुनाव के समय भी नंदिनी बनाम अमूल डेयरी की लड़ाई गहराई थी, तब कांग्रेस ने नंदिनी ब्रांड का साथ दिया था । इसकी वजह से पार्टी ने भाजपा पर आश्चर्यजनक रूप से बड़ी जीत हासिल की थी। जेडीएस ने एक्स पर लिखा है, चुनावों से पहले डीके दावा करते थे कि कन्नड़ लोगों का आत्मसम्मान बिकाऊ नहीं है... आज उन्होंने कमीशन के लिए दूसरे राज्यों के लोगों के लिए दूध उत्पादों पर रोक लगा दी है।

गुरुग्राम के होटल में अमेरिकी फैमिली का गुप्त रूप से बनाया वीडियो

गुरुग्राम , एजेंसी। एक अमेरिकी परिवार ने गुरुग्राम के एक होटल में धूप सेंकते समय उनका गुप्त रूप से वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। परिवार का दावा है कि उसने आरोपी के छिपकर वीडियो बनाने की घटना को एक वीडियो में रिकॉर्ड किया है। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर रिएक्शन देते हुए सोशल मीडिया यूजर्स ने त्वरित ऐक्शन की मांग की है। दो अमेरिकी बहनें रोरी और सेज इन दिनों अपने माता-पिता के साथ दुनिया भर की यात्रा कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में भारत में अपने प्रवास के दौरान का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो क्लिप में एक शख्स होटल की खिड़की पर खड़ा नजर आ रहा है। उसके हाथ में मोबाइल नजर आ रहा है।

शेयर किए गए वीडियो क्लिप को देखकर ऐसा लग रहा है कि शख्स छिपकर इस परिवार का वीडियो बना रहा है। यह घटना तब होती है जब यह अमेरिकी परिवार खुले में होटल परिसर में ही धूप सेंक रहा होता है।

बहनों में से एक कहती है कि कोई उनका वीडियो बना रहा है। आरोपी समझदार नहीं मालूम पड़ता... होटल के कमरे की खिड़की पर खड़े उस शख्स को देख सकते हैं। इसके साथ ही अपने पोस्ट के कैप्शन में परिवार ने लिखा- यदि आप भारत आने की योजना बना रही महिला हैं तो मैं किसी पुरुष बॉडीगार्ड के बिना नहीं आऊंगी। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि हम भारत में इस व्यवहार को बहुत आम पा रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को 9 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस पोस्ट पर यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई लोगों ने परिवार से मामले को आगे बढ़ाने की अपील की है। एक यूजर ने कहा- कृपया इसकी रिपोर्ट होटल के स्टाफ के साथ सीनियर मैनेजमेंट से करें। यदि कुछ नहीं होता है तो पुलिस के पास जाएं। वहीं एक अन्य ने कहा- हे भगवान, कितना डरावना है! कुछ ने कानूनी रास्ता अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा- आप इस बारे में पुलिस को बता सकते हैं। आरोपी को अरेस्ट कर लिया जाएगा। एक अन्य ने कहा- यह कानूनन गलत है।

महाराष्ट्र की तीन भाषा नीति के समर्थन में मुख्यमंत्री फडणवीस, हिंदी को लेकर मचा है बवाल

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र सरकार की तीसरी भाषा नीति को लेकर राज्य में राजनीतिक विवाद गरमा गया है। जहां मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस नीति का समर्थन किया है, वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने का कड़ा विरोध जताया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने भी इसका विरोध किया है। पूरे विवाद के बीच फडणवीस ने बुधवार को कहा कि राज्य के छात्रों के लिए हिंदी सीखने की ''अनिवार्यता'' नए आदेश में हटा दी गई है और अब किसी भी भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में चुना जा सकता है। फडणवीस ने देहू में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अंग्रेजी को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जाता है, लेकिन भारतीय भाषाओं की अकसर उपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि भाषाओं को लेकर विवाद अनावश्यक है। राज्य सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर कहा था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को हिंदी ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी।

हिंदी छोड़ सकते हैं छात्र

हिंदी पर सरकार के ताजा आदेश से विवाद पैदा होने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को स्पष्ट किया कि छात्रों के लिए हिंदी सीखने की ''अनिवार्यता'' हटा दी गई है तथा अब किसी भी भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में चुना जा सकता है। उन्होंने पूरे विवाद को अनावश्यक बताया। मंगलवार को जारी संशोधित सरकारी आदेश (जीआर) में कहा गया है कि हिंदी अनिवार्य होने के बजाय ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा होगी, लेकिन इसमें यह विकल्प भी दिया गया है कि यदि किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 विद्यार्थी हिंदी के अलावा कोई अन्य भारतीय भाषा पढ़ने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो वे इसे छोड़ सकते हैं। कुछ मराठी भाषा समर्थकों ने जहां सरकार पर शुरू में पीछे हटने के बाद ''अनिवार्य'' हिंदी नीति को ''पिछले दरवाजे'' से पुनः लागू करने का आरोप लगाया, वहीं कांग्रेस ने फडणवीस पर मराठी लोगों की छाती में ''छुरा घोंपने'' का आरोप लगाया। स्कूल शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप 'स्कूल शिक्षा के लिए राज्य पाठ्यचर्या रूपरेखा 2024' के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में जीआर जारी किया। जीआर के अनुसार, मराठी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी ''सामान्य'' रूप से तीसरी भाषा होगी।

आदेश में कहा गया, ''जो लोग हिंदी के विकल्प के रूप में कोई अन्य भाषा सीखना चाहते हैं, उन्हें स्कूल में प्रत्येक कक्षा से 20 छात्रों की अपेक्षा को पूरा करना होगा। ऐसी स्थिति में, उस विशेष भाषा के लिए एक शिक्षक उपलब्ध कराया जाएगा या भाषा को ऑनलाइन पढ़ाया जाएगा।'' सरकारी आदेश में कहा गया कि सभी विद्यालयों में मराठी अनिवार्य भाषा होगी। फडणवीस ने पुणे में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''हमने पहले हिंदी को अनिवार्य कर दिया था, लेकिन कल जारी किए गए सरकारी आदेश में उस अनिवार्यता को हटा दिया गया है। नए सरकारी आदेश के अनुसार, छात्र तीसरी भाषा के रूप में किसी भी भारतीय भाषा का विकल्प चुन सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि एनईपी में त्रिभाषा फार्मूला प्रस्तावित किया गया है और नीति के अनुसार मातृभाषा अनिवार्य है तथा इसके अलावा छात्र दो अन्य भाषाएं सीखेंगे, जिनमें से एक भारतीय भाषा होनी चाहिए।

8 लाख में ही अथॉरिटी वाला प्लॉट, किस्त की सुविधा

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी आवास बना सकेंगे। इस वर्ग के लोगों के लिए 30 वर्गमीटर के छोटे भूखंडों की योजना शुरू आएगी। पहले चरण में कुल 4288 भूखंडों की योजना निकाली जाएगी। इस प्रस्ताव को बोर्ड ने बुधवार को मंजूरी दे दी। यमुना प्राधिकरण ने इसके लिए सबसे पुराने आवासीय सेक्टर-18 और 20 में जगह चिह्नित कर ली है। भूखंड की कीमत 7.5 लाख से लेकर 8 लाख रुपये के बीच होगी। योजना में सफल होने वाले आवेदक ढाई मंजिला मकान बना सकेंगे। लोगों को किस्तों में रुपये जमा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। महत्वपूर्ण शर्त यह रखी जाएगी कि 10 साल तक भूखंड या मकान बेच नहीं सकेंगे। इस योजना में गौतमबुद्ध नगर और उत्तर प्रदेश के मूल निवासी ही आवेदन कर सकेंगे। साथ ही, तीन लाख रुपये प्रतिवर्ष आय वाले लोग ही पात्र होंगे। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए लाई जाने वाली इस योजना में भारतीय सेना के जवान, पूर्व सैनिकों, युद्ध में शहीद हुए जवान की विधवा, दिव्यांगजनों को 5-5 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क के प्रशासनिक भवन का काम पूरा हो गया है। जल्द ही इसका ऑफिस भी शिफ्ट कर दिया जाएगा। वहीं, शेष अन्य इमारतों का 80 प्रतिशत कार्य भी पूरा हो गया है। यहां पर सिर्फ सीलिंग का काम चल रहा है। इसके अलावा मेडिकल डिवाइस पार्क में जापान अपनी तकनीक भी शेयर करेगा, इसका अनुमोदन भी बोर्ड बैठक में पास हो गया है। यमुना प्राधिकरण ने 64.7 प्रतिशत के बकायेदार आवंटियों को एक बार फिर मौका दिया है। इनके लिए एक जुलाई से 31 अगस्त तक ओटीएस योजना शुरू की जाएगी। बता दें कि इससे पूर्व करीब छह हजार यह योजना शुरू की जा सकी है, जिससे प्राधिकरण को 551.55 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। अब भी ग्रुप हाउसिंग को छोड़कर करीब 7917 बकायेदार आवंटियों पर प्राधिकरण का 4948 करोड़ रुपये बकाया हैं। इनके लिए प्राधिकरण ओटीएस योजना शुरू करेगा। थाने में अधिक कमरे बनाए जा सकेंगे – एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यहां पर 1000 वर्गमीटर में थाना बनाया जाना है। अब तक थाने का ग्राउंड कवरेज एरिया 30 प्रतिशत था, जिसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। ऐसे में थाने में ज्यादा कमरे बनाए जा सकेंगे। ग्रुप हाउसिंग भूखंड के आवंटी एसडीएस बिल्डर के आवेदन पर बोर्ड ने निर्णय लिया है कि 30 जून 2025 तक सभी मुकदमों की वापसी की रिपोर्ट के बाद रियायत पर निर्णय लिया जाएगा। इसमें बिल्डर ने अमिताभकांत समिति के तहत रियायत की मांग की थी। पिछले बोर्ड ने आदेश दिया था कि बिल्डर की ओर से किए गए मुकदमों को वापस लेने के बाद ही प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। इसमें बिल्डर के सभी नौ मुकदमों में अब तक महज तीन ही रिपोर्ट ही मिली है, जिसमें उसने मुकदमा वापस लिया है। सभी मुकदमों की रिपोर्ट के लिए 30 जून की समयसीमा तय की गई है। प्राधिकरण ने पांच प्रतिशत जमा कर अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों का लाभ मांगा था, जिसे बोर्ड ने खारिज कर दिया। बिल्डर को पूरा 25 प्रतिशत बकाया चुकाना होगा, जिसके बाद ही लाभ मिल सकेगा। बिल्डर को 2010 में 100 एकड़ भूखंड का आवंटन किया गया था। परियोजना पर कुल 472 करोड़ रुपये बकाया हैं। नोएडा एयरपोर्ट से परिवहन सेवा शुरू करने के लिए यमुना प्राधिकरण को 150 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी, इसका प्रस्ताव भी बुधवार को बोर्ड ने पास कर दिया। ये बसें एयरपोर्ट से गौतमबुद्ध नगर के साथ ही आसपास के जनपदों तक लोगों को सीधी सुविधा देंगी। आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों में 30 बिस्तर के हेल्थ सेंटर और फैमली वेलफेयर सेंटर खोले जाएंगे। सेक्टरों में सस्ती चिकित्सा सुविधा देने के लिए यह योजना तैयार की गई है। इनके लिए स्वयंसेवी संस्थाओं को एक रुपये प्रति वर्गमीटर की दर पर भूखंड आवंटित किए जाएंगे। मदर डेयरी को सेक्टर-18 व 20 में सब्जी और दूध के कुल 21 बूथों का आवंटन किया जाएगा। यह सभी बूथ 100 वर्गमीटर के होंगे, अभी इनका क्षेत्रफल 200 वर्गमीटर निर्धारित था। यह प्रस्ताव भी बोर्ड ने पास कर दिया है। प्राधिकरण ने सेक्टर-18 और सेक्टर-32 में फायर स्टेशन बनाने के लिए 7485 वर्गमीटर के दो भूखंडों का आवंटन का निर्णय लिया है।

इंडेन गैस उपभोक्ताओं से ई केवाईसी कराने का किया आव्हान

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। गैस उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी न होने पर उनका घरेलू गैस कनेक्शन निरश्त हो जाएगा। इण्डेन गैस एजंसी पर अभी तक आधे से अधिक उपभोक्ताओं की ई केवाईसी नहीं हुई। नहटौर की शिवम इंडेन गैस सेवा पर करीब 23 हजार गैस उपभोक्ता है। ई-केवाईसी के लिए एजेंसी कर्मचारियों द्वारा भी उपभोक्ताओं को जानकारी दी जा रही है लेकिन अभी तक केवल आधे से कम उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी हुई है। गैस एजेंसी के संचालक राकेश कुमार के अनुसार अभी तक साढ़े ग्यारह हजार उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी हुई है और प्रतिदिन सैकड़ो उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक मिले आदेशों के अनुसार 30 जून तक कनेक्शन धारक की ई-केवाईसी न होने पर कनेक्शन स्वतः ही निरश्त हो जायेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द ई केवाईसी कराने का आह्वान किया है।

DM ने डॉ. विकास कुमार की पुस्तक 'ए टेक्स्ट बुक ऑन बोन्साई फॉर बिगिनर्स इन इंडिया' का विमोचन किया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। डॉ. विकास कुमार सहायक विकास अधिकारी कृषि विकासखंड कोतवाली एवं सहयोगी लेखक द्वारा लिखित पुश्तक शीर्षक 'ए टेक्स्ट बुक ऑन बोन्साई फॉर बिगिनर्स इन इंडिया' का विमोचन जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं उप कृषि निदेशक बिजनौर डॉ घनश्याम वर्मा एवं जिला कृषि अधिकारी बिजनौर द्वारा किया गया इस अवसर पर जिलाधिकारीजसजीत कौर .ने बोनसाई की वर्तमान स्थिति एवं भारतमें वंशाई की भविष्य में संभावनाओं के विषय पर प्रकाश डाला ।

बढ़ापुर क्षेत्र में पहुँचने पर रुबी राठी का फूल मालाओं से स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी के अनुमोदनोंपरान्त रुबी राठी को राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश कार्यसमिति ने विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया। जिसके बाद वह गुरुवार को बढ़ापुर क्षेत्र के गांव कुंजेटा पहुँची, जहाँ महिलाओं ने फूल माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया गया। रुबी राठी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल पार्टी की नीतियों को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य को पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगी।़र जनता की समस्याओं के निश्तारण कराने में भरपूर प्रयास करेंगी। उन्होंने रालोद की नीतियों का प्रचार प्रसार करने पर जोर दिया। इस मौके पर दर्जनों महिलाए व गांव के पूर्व पंचायती सदस्य मौजूद रहे।

भाकियू हिंद के सभासद शमशीर पेंटिंग बने युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। भारतीय किसान यूनियन हिंद हाईकमान ने सभासद शमशीर पोंटिंग को युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत कर संगठन के हित में कार्य करने की अपेक्षा की। भारतीय किसान यूनियन हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष साजिद अली पुत्र फरीद अहमद ने नगर नहटौर निवासी सभासद शमशीर पोंटिंग को संगठन के प्रति लगनशीलता को देखते हुए संगठन के युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनसे संगठन की नीतियों व सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन के हित में कार्य करने की अपेक्षा की है। नवनियुक्त युवा जिलाध्यक्ष ने कहा कि जो जिम्मेदारी संगठन ने उन्हें सौंपी है वह उस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे तथा संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। शमशीर पोंटिंग के युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनने पर उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ी हुई है।

पालिका के अतिक्रमण हटाओ अभियान को एजेंसी चौराहे पर जाम

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। नगर पालिका के अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने के बावजूद भी नहटौर के एजेंसी चौराहे पर जाम की स्थिति से राहगीरों का जूझना पड़ रहा है। अतिक्रमण हटाओ अभियान खानापूर्ति में ही सिमटता हुआ नजर आ रहा है। बुधवार को भी नगर पालिका ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नहटौर में मौहल्ला नौधा से मौहल्ला जोशियान तक जाम लगा रहता है। इस मार्ग पर कई स्थानों पर अवैध अतिक्रमण की वजह से जाम लगने से राहगीर परेशान रहते हैं। राहगीर मौहम्मद आलम शाहबाज अहमद, दिलशाद अहमद, दीपक कुमार, मनोज कुमार प्रदीप कुमार, साजिद हुसैन, राजकुमार सिंह आदि का कहना है कि नहटौर नगर में एजेंसी चौराहे के आसपास जाम की स्थिति बनी रहती है। नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान खानापूर्ति में सिमट कर रह जाता है। सोमवार व शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार के दिन तो जाम की स्थिति से भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पालिका के अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने बताया कि बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत झालू चौराहे से कई होर्डिंग हटाए गए हैं। 500 ग्राम पॉलिथीन जब्त कर 2000 के चालान काटे गए हैं।

एसएसपी ने कार्यालय पर की जनसुनवाई

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। एसएसपी संजीव सुमन द्वारा पुलिस कार्यालय पर प्रतिदिन की भाँति जनसुनवाई की गई एवं आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध त्वरित निश्तारण हेतु अधीनस्थों को दिशा- निर्देश दिये गये।

महिला और उसके भतीजे पर जानलेवा हमला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव भोजपुर में महिला और उसके भतीजे पर जानलेवा हमला किया गया। सरिया और धारदार हथियार से वारकर दोनों को घायल कर दिया गया। घायलों में भतीजे की हालत गंभीर बनी है। गांव भोजपुर निवासी मोहसिना के अनुसार, गांव निवासी जाकिर ने लकड़ी से लदी ट्रैक्टर ट्राली उनके मकान के गेट के सामने खड़ी कर दी थी।

जिलाधिकारी ने निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, दिए कड़े निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में विकास एवं निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने समश्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि समश्त निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में विभागीय समन्वय की कमी किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए।

कार्यों में देरी व असंगत तालमेल आमजन को परेशान करता है। जिलाधिकारी ने मल्टीलेवल कार पार्किंग निर्माण कार्य को दो माह के भीतर हर हाल में पूरा किए जाने का निर्देश संबंधित एजेंसी को दिया।

जलभराव की समस्या को देखते हुए जिलाधिकारी ने महेन्द्र नगर, आगरा रोड, रूसा हॉस्पिटल, मैरिस रोड, सुरेंद्र नगर व छर्रा अड्डा की जल निकासी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। प्रोजेक्ट मैनेजर, सी एण्ड डीएस को निर्देश दिए गए कि इन परियोजनाओं को युद्ध श्तर पर, दिन-रात कार्य करके शीघ्र पूर्ण किया जाए, जिससे नागरिकों को राहत मिल सके। निर्माण कार्यों के साथ भुगतान में भी शिथिलता न हो, इस पर बल देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि भुगतान की प्रक्रिया समयबद्ध होनी चाहिए।

लंबित भुगतान के कारण कार्यों की गति प्रभावित होती है, जिससे विकास बाधित होता है। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगली प्रगति पुश्तिका में केवल सिंबॉलिक चित्र नहीं, बल्कि स्थल पर वाश्तविक रूप से हुए कार्यों की स्थिति को स्पष्ट करने वाले चित्र और विवरण शामिल किए जाएं।

यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन को निर्देशित किया गया कि पर्यटन से जुड़े सभी विकास कार्य एवं भोजताल का निर्माण वर्ष के अंत तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। आश्रम पद्धति विद्यालय, अलाहददपुररू कार्यदायी संस्था यूपी सिडको ने निर्माण कार्य अगश्त तक पूर्ण किए जाने का आश्वासन दिया। ताला नगरी अग्निशमन केन्द्र, कार्य 31 दिसंबर तक पूर्ण किया जाएगा। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय अधिशासी अभियंता ए0के0 राही ने बताया कि मुख्य डोम का निर्माण 15 जुलाई तक पूर्ण होने की जानकारी दी गई, अन्य 7 डोम पर कार्य प्रगति पर है। डिफेंस कॉरिडोर पेयजल एवं सीवरेज योजना को शीघ्र पूर्ण करने के लिए जल निगम को निर्देशित किया गया। वृहद गौ संरक्षण केंद्ररू निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने की जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की कि जनहित से जुड़े कार्यों में समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि जनसामान्य को सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके।

पार्क की देखरेख मेंटेनेंस व साफ सफाई से नहीं होगा कोई भी समझौता : नगर आयुक्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने की दिशा में नगर आयुक्त व सीईओ अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड प्रेम प्रकाश मीणा ने गुरुवार सुबह अचानक जवाहर पार्क में पहुंचकर वहॉ टहलने वाले लोगों से व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने जवाहर पार्क में गंदगी, पेड़ पौधों की कटाई न होने, कूड़े के ढेर पड़े होने की शिकायत नगर आयुक्त से की।

नगर आयुक्त ने मौके पर ही चीफ इंजीनियर सुरेश चंद्र को तत्काल जवाहर पार्क के मेंटेनेंस के लिए उत्तरदाई एजेंसी ओम साईं ट्रेडर्स एंड सप्लायर गाजियाबाद पर कार्यवाही करते हुए फर्म को ब्लैकलिस्टेड और अनुबंध को तत्काल प्रभाव से टर्मिनेट करने के निर्देश दिए। जवाहर पार्क के मेंटेनेंस और रखरखाव का कार्य अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा मैसर्स ओम साईं ट्रेडर्स एंड सप्लायर गाजियाबाद को दिया गया है।

लगभग 5 लाख 70 हज़ार का खर्चा इसकी मेंटेनेंस पर हर माह होता है। जिसमें 60 प्रतिशत धनराशि फर्म टिकट के माध्यम से प्राप्त करती है। इससे पहले भी कार्य में लापरवाही और वित्तीय लापरवाही बरतने पर अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा फर्म को तीन कारण बताओ नोटिस दिए जा चुके हैं।

जवाहर पार्क अलीगढ़वासियों के लिए सुबह टहलने के साथ-साथ एक पिकनिक पॉइंट की तरह है इसके ऑपरेशन और मेंटेनेंस का जिम्मा अलीगढ़ स्मार्ट सिटी द्वारा एजेंसी को दिया गया है।

एजेंसी की लापरवाही के कारण अलीगढ़ स्मार्ट सिटी की छवि शहर वासियों के नजर में धूमिल हो रही है जिस पर एक्शन लिया गया, फर्म को ब्लैकलिस्टेड करने के साथ-साथ अनुबंध को टर्मिनेट करने की कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान मुख्य अभियंता सुरेश चंद, अधिशासी अभियंता प्रांतीय निर्माण खंड योगेश कुमार, डीजीएम गिरीश शर्मा आदि साथ थे।

विद्युत पोल से करंट लगने पर भैंस की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र के गॉव चिलकौरा में एक विद्युत पोल से करंट लगने से गर्भवती भैंस की मौत हो गई, घटना उस वक्त हुई जब भैंस के मालिक लाखन सिंह उसे चराने जंगल ले जा रहे थे। राश्ते में लोहे के विद्युत पोल में अचानक करंट उतर आया, भैंस इसकी चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार इस पोल में पहले भी कई बार करंट उतरने की घटनाएं हो चुकी हैं, विद्युत विभाग के अधिकारियों ने घटना के दौरान फोन तक नहीं उठाया। मृत भैंस की कीमत 90 हजार रुपये थी। वह रोजाना 8-10 लीटर दूध देती थी, जिससे परिवार का गुजारा होता था। भैंस गर्भवती थी, जिससे परिवार को एक और भैंस मिलने की उम्मीद थी।

भारतीय किसान यूनियन सुनील गुट ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है, यूनियन के जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस क्षेत्र में जर्जर बिजली के तार और खराब पोल पहले भी कई हादसों का कारण बन चुके हैं। उन्होंने मॉग की है कि विभाग तुरंत सभी जर्जर पोल और तारों की मरम्मत करे, परिवार ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मॉग की है।

साइबर सेमिनार का किया गया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

गुरूवार को क्षेत्राधिकारी अपराध व साइबर के नेतृत्व मे थाना साइबर क्राइम जनपद अलीगढ द्वारा साइबर क्राइम की रोकथाम एंव उसके बचाव के लिए सी.बी. गुप्ता सरस्वती इंटर कॉलेज सिंघारपुर आसना थाना मडराक जनपद अलीगढ़ में साइबर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया।

जिसमे उपस्थित 450 प्रशिक्षणरत गर्ल्स कैडेट्स व बटालियन के अधिकारी व कर्मचारीगण को वर्तमान में होने वाले विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे मोबाइल सिम व खाते को अपडेट करने के बहाने खाते व ए टी एम की जानकारी लेकर आनलाइन ठगी करना, गूगल से कस्टमर केयर का नम्बर सर्च कर बात करने पर ठगी होना, फेसबुक व व्हाट्सएप पर दोश्ती कर विडियो कॉल के द्वारा अश्लील विडियो बनाकर ब्लैकमेल करना, ओ एल एक्स तथा फेसबुक पर सामान बेचने व खरीदने के बहाने से ठगी करना के बारे मे जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचने के तरीके जैसे किसी अनजान नम्बर से परिचित बनकर आने वाली फोन कॉल पहले अपने फोन से उक्त परिचित से बात कर लेने से इस प्रकार की घटना से बचा जा सकता है तथा अपने फोन पर सिम व खाते को अपडेट कराने वाली फोन कॉल से बचें।

यदि आपको कभी भी किसी कम्पनी के कस्टमर केयर नम्बर की आवश्यकता होती है तो सदैव उस कंपनी की वाश्तविक साइट पर जाकर फोन नम्बर प्राप्त करें, साइबर अपराधियों द्वारा आवाज को कॉपी कर व वीडियो कॉल पर परिचित का चेहरा लगाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा सगे सम्बन्धियों से साइबर ठगी की जाती है जिससे बचने के लिए सम्बन्धित व्यक्ति से बात कर पूर्ण पुष्टि कर लेना चाहिए तथा साइबर ठगों द्वारा नकली पुलिस अधिकारी बनकर पीड़ति को फोन पर बताया जाता है कि आप के नाम से एक शिकायत दर्ज हुई है झूठे मामले को लेकर पीडित को पहले काफी डरा धमकाया जाता है।

इसके बाद घर से बाहर निकलने से मना कर देतें है कि आपको डिजिटल अरेस्ट किया जाता है पुलिस द्वारा इस प्रकार डिजिटल अरेस्ट नहीं किया जाता है अगर किसी के पास ऐसी कॉल आती है तो वह फ्रॉड काल है इसे इग्नोर करें।

इस प्रकार वर्तमान समय मे होने वाली साइबर अपराध की घटनाओं से बचा जा सकता है, साथ ही साथ उपरोक्त जानकारी को बैंक कस्टूमर को साझा करने के लिए भी प्रेरित किया गया। यदि साइबर अपराध की घटना हो जाती है तो इसकी सूचना तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें तथा इसकी शिकायत साइबर क्राइम पुलिस पोर्टल पर दर्ज करने के बारें में भी बताया गया।

प्रभारी मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी दो दिन अलीगढ़ में

अलीगढ़। मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें उत्तर प्रदेश एवं जनपद प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी शुक्रवार 20 जून को सॉय 07:30 बजे अलीगढ़ पधारकर सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। प्रभारी मंत्री 21 जून को प्रातः 06:10 बजे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे और प्रातः दस बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था, राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

संदिग्ध अवस्था में महिला की मौत, पति व ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गोंडा क्षेत्र के बढ़रि गॉव में 24 वर्षीय नीरज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, मृतका की शादी 2021 में बढ़रि निवासी शिव कुमार से हुई थी, मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

नीरज की दो बेटियां हैं, जिनकी उम्र 6 माह व 2 साल है। परिजनों का कहना है कि बेटा न होने के कारण ससुराल वाले उसे प्रताड़ति करते थे। इसके अलावा शिव कुमार की नौकरी के लिए दस लाख रुपये की मॉग कर रहे थे। मृतका के भाई मनोज ने बताया, शादी का खर्च दोनों पक्षों का उन्होंने ही वहन किया था। नीरज ने कई बार अपनी पीड़ा परिवार को बताई थी, सामाजिक श्तर पर सुलह की कोशिशें नाकाम रहीं। गोंडा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया। घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी लोग फरार हैं, पुलिस ने मृतका के परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है, अंत्य परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चलेगा, हत्या व आत्महत्या दोनों पहलुओं से जॉच की जा रही है।

मकान खाली कराने के लिए जानलेवा हमला

✷एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना बन्नादेवी क्षेत्र के रघुवीर पुरी इलाके में एक दबंग मकान मालिक ने किराएदार बहनों के साथ जमकर मारपीट की। आरोपी ने धारदार हथियार से दोनों बहनों के ऊपर हमला कर दिया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया, घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सराय लवरिया इलाके में रहने वाली राखी व वंशिका ने बताया कि वह अपने माता-पिता के साथ किराए के मकान में रहती हैं। उनके पिता ढ़केल लगाते हैं और मॉ भी काम करती हैं। उनका मकान मालिक पिछले कुछ समय से मकान खाली करने का दबाव बना रहा है, मकान मालिक के दबाव के कारण वह भी नया मकान ढूंढ़ रहे हैं। बुधवार देर रात को उनके माता-पिता कमरे पर नहीं थे।

तभी मकान मालिक वहॉ आ गया व मकान खाली करने की बात कहने लगा, इस पर दोनों बहनों ने माता-पिता के आने की बात कही। जिस पर वह

आक्रोशित हो गया और गाली-गलौज करने लगा, इसके बाद आरोपी ने धारदार हथियार से उनके ऊपर हमला कर दिय, उन्हें घायल करने के बाद आरोपी वहॉ से फरार हो गया।

थानाध्यक्ष बन्नादेवी पंकज मिश्रा ने बताया कि घायलों का इलाज कराया गया है, मामले की जॉच की जा रही है व पीड़ितों से तहरीर ली जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा व सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है व जल्दी ही उसकी गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

मोहर्रम व कावड़ यात्रा के लिए शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु डीएम ने अमन कमेटी की मीटिंग ली

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बिजनौर जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में मोहर्रम, कांवड यात्रा आदि आगामी त्यौहारों को शांति पूर्ण सम्पन्न कराएं जाने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिला प्रशासन मोहर्रम कावड़ यात्रा सहित सभी त्योहारों को पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक सुव्यवस्थित और सौहार्द शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने कहा कि उक्त त्योहारों सहित किसी भी त्यौहार में किसी भी व्यक्ति को नई परंपरा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी, पूर्व की भांति ही सभी परंपराओं का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आज की बैठक में जन सामान्य द्वारा उठाए गए प्रकरणों को त्योहार से पहले निश्तारित करना सुनिश्चित करें ताकि त्योहार के समय किसी भी प्रकार की असुविधा एवं अशांति का माहौल उत्पन्न होने पाए।

उन्होंने उपस्थित विभिन्न धार्मिक गुरुओं एवं बुद्धिजीवी व्यक्तियों का आह्वान किया कि सभी त्योहारों को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं और सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट शेयर न करें जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं को ठेस लगे और उसके कारण जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था को कोई नुकसान पहुंचे।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के मुख्य मार्गों जिन पर कांवड़ यात्रा एवं मोहर्रम जुलूस गुजरते हैं, उन सभी मार्गों पर स्थित धार्मिक स्थलों पर शत प्रतिशत सीसीटीवी कैमरे लगाना व उनकी मॉनिटरिंग करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी ताजिये एवं कांवड़ यात्रा वाले मार्गों का गहनता के साथ निरीक्षण करें तथा मार्गों पर स्थित सभी बिजली ट्रांसफॉर्मों की बैरिकेटिंग करवाना सुनिश्चित करें साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि उन मार्गो पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था तथा जर्जर तारों को बदलना एवं नीचे लटकी तारों को त्योहार से पहले ठीक करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के मुख्य मार्गों पर स्थित सामुदायिक शौचालय की ससमय साफ-सफाई कराएं तथा उनकी सूची बनाकर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी उप जिलाधिकारी तथा सीओ एवं थानाध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में ताजिए के जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर लें, वहां पर ड्यूटी लगा दें तथा मुख्य जुलूस वाले दिन आवश्यकता अनुसार रोड डायवर्जन कर दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा से जुड़े अधिकारी आवंटित क्षेत्र का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके राश्ते में कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कांवड़ यात्रा की दृष्टिगत मुख्य मार्ग पर कांवड़ियो के लिए एंबुलेंस एवं अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था सहित चिकित्सा शिविरों की व्यवस्था तथा सभी जीवन रक्षक दवाइयों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देश दिए की सभी डॉक्टर की सूची बनाते हुए उनका फोन नंबर भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने मोहर्रम की तैयारियों को लेकर एवं नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जुलूस मार्गों को गड्ढा मुक्त बनाने के साथ ही साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने जन सामान्य का आह्वान करते हुए कहा कि त्योहारों पर कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे अन्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे साथ ही त्योहारों को धार्मिक परंपरा और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाए।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कहा कि सभी लोग साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाए रखते हुए अपने-अपने रीति-रिवाज के साथ कानून के दायरे में रहकर त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि ताजिये निर्धारित ऊंचाई से ज्यादा निर्मित ना करें तथा उनको निर्धारित मार्गों पर से ही निकालें तथा किसी भी अवस्था में कोई नई परंपरा न डालें।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों का पालन करें और कराएं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की हम सभी की जिम्मेदारी है, अतः सभी अधिकारी अपने दायित्वों को पूर्ण निष्ठा एवं सजगता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में सचेत करते हुए कहा कि जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था में ख़लल डालने वालों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ कौशलेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, वि/रा वान्या सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजीव वाजपेई, ग्रामीण विनय कुमार सिंह, सभी उप जिलाधिकारी, सीओ पुलिस, थानाध्यक्ष सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी तथा धर्मगुरु मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर ई-केवाईसी व फेस कैप्चर के प्रमाणीकरण शुरू

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कान्त राय ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत सभी लाभार्थियों का पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से उनके आधार से ई-केवाईसी करते हुए उनका फेस कैप्चर (चेहरा प्रमाणीकरण) किया जा रहा है। इसके तहत लाभार्थी का गर्भवती और धात्री की श्रेणी में स्वयं के आधार से ई-केवाईसी व उनका चेहरा प्रमाणीकरण किया जा रहा है। सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री अपने केंद्र पर पंजीकृत सभी लाभार्थियों का पोषण ट्रैकर एप पर ई-केवाईसी एवं फेस कैप्चर कर रही हैं।

डीपीओ ने सभी लाभार्थियों से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि इसमें लाभार्थी के आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी के माध्यम से ई-केवाईसी हो रही है। यदि कोई लाभार्थी आंगनबाड़ी कार्यकत्री को अपना लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी नहीं देना चाहता तो पोषण ट्रैकर पर वेनिफिशियरी माड्यूल में जाकर वह स्वयं अपना ई-केवाईसी एवं फेस कैप्चर कर सकता है।

साथ ही जिन लाभार्थियों का आधार के साथ मोबाइल नम्बर लिंक नहीं है वह लाभार्थी अपना आधार में मोबाइल नम्बर यथाशीघ्र करा लें, जिससे उनका के.वाई.सी. फेस कैप्चर का कार्य पूर्ण किया जा सकें।

कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ "वाई ब्रेक योगा" सत्र

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के मुख्य कार्यक्रम की तैयारी के अंतर्गत जिले में 15 जून से चल रहे योग सप्ताह के तहत गुरुवार को कलैक्ट्रेट सभागार में "वाई ब्रेक योगा" सत्र का आयोजन किया गया।

इस सत्र का उद्देश्य कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनाव मुक्त व ऊर्जावान बनाए रखना था। सत्र का संचालन योग प्रशिक्षक शिवा पाठक द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को सरल योग अभ्यासों व श्वसन क्रियाओं का प्रशिक्षण दिया, जिसे कार्यालयीन समय के दौरान भी पांच से दस मिनट में किया जा सकता है।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि "तन एवं मन को तनाव मुक्त और तरोताजा बनाए रखने के लिए वाई ब्रेक योगा अत्यंत उपयोगी है। यह तकनीक हमें कार्यालयीन व्यश्तता के बीच अल्पकालिक योग अभ्यास के माध्यम से मानसिक शांति और नई ऊर्जा प्रदान करती है। यदि हम प्रतिदिन कुछ मिनटों का समय इस योग अभ्यास को दें, तो कार्यक्षमता में वृद्धि के साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है।" उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे नियमित रूप से योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और 21 जून को आयोजित मुख्य योग कार्यक्रम में अधिक से अधिक सहभागिता करें। सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि योग सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विभागों, शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर भी योग कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है, जिसका समापन 21 जून को स्टेडियम में भव्य योग आयोजन के साथ होगा।

संपादकीय

वैश्विक शांति को प्रभावित करते युद्ध

विगत 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं।

इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। 12 और 13 जून 2025 को अलसुबह इजरायल ने ईरान के परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों नतांज स्थित एटॉमिक फैसिलिटी सेंटर, इस्फहान, तेहरान और तबरीज पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए, जिसे 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया गया था। इन हमलों का उद्देश्य ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को नष्ट करना और उसकी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को रोकना था।

इजरायल ने हमलों से पहले अपनी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ मिलकर आईडीएफ ने ईरान में ड्रोन और अन्य हथियारों को पहुंचाया। इसके अलावा हथियार प्रणालियों से लदे वाहनों को भी ईरान लाया गया। इसने ईरान की हवाई सुरक्षा को नष्ट कर दिया तथा इससे इजरायली विमानों को ईरान पर हवाई प्रभुत्व कायम करने में मदद मिली।

प्रत्युत्तर में 13 जून 2025 की शाम को ईरान ने भी इजरायल पर 150 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 100 से ज्यादा ड्रोनों के साथ जवाबी हमला किया। ये हमले इजरायल के प्रमुख शहरों जैसे येरुशलम, तेल अबीब और रिशोन लेजियन को निशाना बनाकर किए गए, जिससे नागरिक क्षेत्रों में संपत्ति के नुकसान और इजरायली नागरिकों के हताहत होने की खबरें हैं। भले ही दोनों देशों के बीच जमीनी सीमा रेखा नहीं है, तथापि दोनों देशों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम के पूर्णता की ओर बढऩे से इजरायल की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई थीं। इस युद्ध से अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है, लेकिन अभी तक कोई ठोस मध्यस्थता या युद्धविराम की पेशकश सामने नहीं आई है।

दूसरी तरफ अमरीकी सेना ईरान की ओर से इजरायल पर जवाबी कार्रवाई में दागी गई मिसाइलों को रोकने में मदद कर रही है। वर्तमान में इजरायल-फिलिस्तीन, ईरान-सऊदी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे पहले से ही विश्व मंच पर तनाव बढ़ा रहे हैं। जहां तक वर्तमान ईरान-इजराइल युद्ध की बात है तो ईरान और इजराइल के बीच संभावित या वास्तविक युद्ध न केवल पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व), बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न कर सकता है। यह संघर्ष धार्मिक, राजनीतिक, भू-रणनीतिक और आर्थिक आयामों से जुड़ा हुआ है और इससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति पर संकट मंडरा सकता है।

दूसरे, ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादकों में है और होरमुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल का 20 फीसदी गुजरता है। युद्ध की स्थिति में ईरान इस राश्ते को बंद कर सकता है जिससे वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इससे अमरीका, यूरोप, भारत जैसे देशों में ईंधन महंगा होगा और महंगाई बढ़ेगी। इस लड़ाई के परमाणु युद्ध में तब्दील होने का खतरा भी है क्योंकि इजराइल के पास घोषित परमाणु हथियार हैं, जबकि ईरान पर परमाणु हथियार बनाने के आरोप हैं। यदि संघर्ष परमाणु हथियारों तक पहुंचता है, तो यह मानव सभ्यता के लिए विनाशकारी हो सकता है। इन दिनों विश्व युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं, क्योंकि अमरीका इजराइल का प्रमुख सहयोगी है। चीन और रूस, ईरान के रणनीतिक साझेदार हैं।

यदि ये महाशक्तियां प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल होती हैं, तो यह टकराव तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकता है। यह युद्ध शिया (ईरान) और यहूदी (इजराइल) के बीच है, परंतु इसका प्रभाव मुस्लिम देशों में सुन्नी-शिया संघर्ष को भड़का सकता है। युद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन सकते हैं जो यूरोप, तुर्की और एशियाई देशों की ओर पलायन करेंगे। इससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव और सामाजिक असंतोष बढ़ सकता है। युद्ध की स्थिति में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी और व्यापार व निवेश में गिरावट आएगी, जिसका विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था, जैसे भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि देशों पर खासा असर पड़ेगा।

ईरान-इजरायल के बीच इस लड़ाई के गंभीर होने की स्थिति में खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं पैदा हो सकती हैं। इन भारतीयों ने पिछले साल ही करीब 45 अरब डॉलर की राशि भारत भेजी है जो देश की इकोनमी में अहम भूमिका निभाती है। इन दिनों ईरान और इजराइल दोनों ही साइबर युद्ध में भी सक्रिय हैं। चूंकि बैंकिंग, संचार और ऊर्जा क्षेत्रों पर साइबर हमले हो सकते हैं जो वैश्विक श्तर पर प्रभावी होंगे।

पिछले कई दशकों से संयुक्त राष्ट्र संघ में कोई सुधार नहीं हुए हैं और यदि यह युद्ध बढ़ता है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद कोई प्रभावी भूमिका नहीं निभा पाती है तो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साख पर भी गंभीर सवाल उठेंगे। ईरान-इजराइल युद्ध सिर्फ क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक संकट में भी बदल सकता है।

ऐसे में कूटनीति, संवाद और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। देखा जाए तो ऐसे में भी युद्ध वैश्विक शांति के लिए एक गंभीर खतरा है, जिससे संघर्षरत देश तो प्रभावित होते ही हैं, बल्कि दुनिया भर में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा होती है। युद्धों के कारण जान-माल का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संकट आते हैं और सामाजिक ताना-बाना बिखर जाता है।

इसके अलावा युद्धों से विस्थापन, शरणार्थी संकट, पर्यावरण ह्रास और मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है। लिहाजा वैश्विक संस्थाओं और बड़े राष्ट्रों को मिल-बैठकर युद्ध जैसी विभीषिकाओं से बचने के उपाय ढूंढने होंगे, तभी मानवीय कल्याण एवं विकास का मार्ग प्रशश्त होगा।

क्या भारत की पूरी घेराबंदी कर रहा है अमेरिका?

अर्जुन देशप्रेमी

इरान और इजराइल के बीच युद्ध और विध्वंसक हो चुका है और तरह तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। यहाँ तक की परमाणु युद्ध से लेकर तीसरे विश्व युद्ध तक की बातें हो रही हैं। ऐसे में भारत के नजरिये और इसपर पड़ने वाले प्रभावों पर भी अनेक तरह की बातें की जा रही हैं।

सवाल यह है कि अगर लंबा खिंचा इज़रायल-ईरान संघर्ष, तो भारत पर क्या असर हो सकता है? खासकर इजरायल ईऱान युद्ध के बीच तेल की कीमतों को लेकर अभी से चिंताएं व्यक्त की जाने लगी हैं। इसने वैश्विक बाजारों के साथ ही भारत में उथल-पुथल मचाकर रख दिया है। युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जिसका असर भारत पर पड़ना तय है। इससे आशंकित भारत के शेयर बाज़ार लगातार गिर रहे हैं।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 85% तेल खाड़ी देशों से आयात करता है। तेल कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी से भारत की मुद्रास्फीति, करंट अकाउंट डेफिसिट और सब्सिडी बिल पर बुरा असर पड़ेगा। आम नागरिकों के लिए पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस समेत आवश्यक वश्तुएं महंगी हो सकती हैं। इसके साथ ही दूसरी कई और समस्याएं खड़ी होंगी।

पर इन सबके बीच एक बड़ा प्रश्न खड़ा हो रहा है। और यह प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका और उसके मित्र देश भारत की घेराबंदी कर रहे हैं जिससे भारत आने वाले समय में उनकी हाँ में हाँ मिलाने को बाध्य हो जाये? दूसरे शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि क्या अमेरिका भारत को अपना पिछलग्गू बनाने को बाध्य करने की तैयारी में भी है?

सतही तौर पर कोई भी कह देगा कि ऐसा नहीं है।पर सोच कर देखिये कि अमेरिका कर क्या रहा है। पहले उसने उक्रेन ओर रूस से लड़ाकर उसे एक तरफ फंसा दिया है। आतंकी हमले से परेशान भारत को भी पकिश्तान से जूझना पड़ा तो अमेरिका ने भारत की दोश्ती को किनारे कर पकिश्तान का साथ देना आरम्भ कर दिया। उसने पहले भारत पर दवाब बनाकर युध्ध विराम का माहौल बनाया जिसमे भारत को सीज फायर के लिए तैयार होना पड़ा।

इसके बाद आतंकियों के पनाहगार पकिश्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष से लोन दिलवाया। फिर खुद से पैसे दिए। इतने से दिल नहीं भरा तो पाकिश्तान जैसे आतंकी देश को आतंके के खिलाफ बनी संयुक्त राष्ट्र की समिति का उपाध्यक्ष बनवा दिया।

भारत तमाम विरोध करता रह गया पर अमेरिका के कान पर जू नहीं रेंगे। इसके बाद मोदी से दोश्ती का दंभ भरने वाले ट्रम्प ने भारत और पाकिश्तान को एक ही तराजू में तौलना

शुरू कर दिया। इससे भी मन नहीं भरा तो उसने पकिश्तान के आर्मी प्रमुख को अपने दावत पर बुला लिया। यहाँ भी भारत और मोदी को नीचा दिखाने के लिए उसने मोदी को तभी अमेरिका आने को बोला जब वह मुनीर को दावत दे रहा था। यानि उसने भारत के प्रधानमंत्री और पाकिश्तान के एक अदना आर्मी प्रमुख को बराबर दिखाने के प्रयास किया। वह तो गनीमत रही कि मोदी ने उसे ताका सा जवाब दे दिया।

अब फिर आते हैं इरान के मुद्दे पर। 1947 में भारत के विभाजन से पहले इरान हमारा पड़ोसी था। पाकिश्तान बनने के बाद, नव स्वतंत्र भारत अब इरान का पड़ोसी देश नहीं रहा। इसके बाद भी दोनों राष्ट्रों के बीच संबंध अभी भी अच्छे बने हुए थे।

कई सहस्त्राब्दियों से भाषा, धर्म, कला, संस्कृति, भोजन और अन्य परंपराओं के क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ दोनों देशों का संपर्क है। दोनों देश कई क्षेत्रों में सहयोग करते हैं।

भारत अपनी कच्चे तेल जरूरत का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका के न चाहने के बाद भी इरान से ही लेता रहा है क्योंकि भारत का ईरान के साथ संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह में निवेश किया है, जो पाकिश्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिश्तान और मध्य एशिया के साथ व्यापार के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। इन सारी बैटन से अमेरिका भारत से खुश नहीं रहा है।

ऐसे में अमेरिका ने अगर इरान को बर्बाद करके अपने कब्जे में ले लेता है और वहां अपनी कठपुतली सरकार बना लेता है तो वह भारत को पूरी दुनिया से लगभग काट कर रख देगा। ऐसा इसलिए संभव होगा कि पाकिश्तान उसके कब्जे में ही दिखता है।

ईरान के आने के बाद अमेरिका के कब्जे में पूरा मध्य पूर्व आ जायेगा। ईराक में उसकी ही कठपुतली सरकार है, सउदी अरब को वही सुरक्षा देता है। जॉर्डन लीबिया, सीरिया, कुवैत मिश्र भी उसी के प्रभाव में हैं। ऐसे में यदि अमेरिका नहीं चाहेगा तो भारत का यूरोप से संपर्क ही नहीं हो पायेगा। दूसरी तरफ चीन से हमारे रिश्ते कैसे हैं, पूरी दुनिया जानती है।

अमेरिका ने बांग्लादेश के मार्फ़त पूरब में भी हमारे लिए समस्याएं खड़ी कर रखी हैं। श्रीलंका और मालदीव कब पाला बदल ले, कोई नहीं जानता है। नेपाल भी चीन परश्त ही हो रहा है। ऐसे में हमारे विमान और जहाज़ों के लिए राश्ते ही बंद हो जायेंगे। फिर वह तेल के मनमाने दाम देने के लिए भी हमें बाध्य कर सकता है।

कहने का मतलब कि यदि इरान पर अमेरिका काबिज हो जाता है और अपनी पसंद की सरकार बैठा लेता है, तो भारत की लगभग पूरी घेराबंदी कर सकता है और तेल से लेकर पूरे विश्व के साथ हमारे व्यापार पर अपनी शर्तें थोप सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह भारत के लिए बहुत ही संकटपूर्ण स्थिति होगी जिसका काट खोजना आसान नहीं होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

युद्ध रोकने की मंशा?

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। यदि अमरीका या इजरायल उन्हें निशाना बना कर खत्म करते हैं, तो ईरान में किसी भी तरह का विद्रोह नहीं होगा। ये हालात तब से बने हैं, जब ईरान में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता माहसा अमीनी को जेल में यातनाएं देकर मार दिया गया था।

महिलाएं सडक़ों पर उतरी थीं। उन्होंने अपने बुर्के जलाए थे। बाल काट-काट कर आग के हवाले कर दिए थे। उन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी खामेनेई हुकूमत ने 500 से अधिक महिलाओं को मार दिया था। उस सोच के तबके आज भी 'मजहबी नेता' की हुकूमत के खिलाफ हैं।

कुछ इस्लामी देशों समेत ईरान में भी, अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के खिलाफ, छिटपुट विरोध-प्रदर्शन किए जा सकते हैं, लेकिन अमरीका और इजरायल के खिलाफ व्यापक विद्रोह सामने नहीं आएंगे। एक तबका तो आज भी ट्रंप और नेतन्याहू को 'शैतान' करार देता है।

बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वश्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हश्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं।

तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिश्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं।

अफगानिश्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा।ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडऩे की होड़ मची है।

खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10, 765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके।

उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को 'आत्मरक्षा का अधिकार' करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हश्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए। उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं।

अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी, उसमें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को अच्छी तरह काट दिया गया था। कोई भी सैन्य अभियान यह संभव नहीं कर सकता। विडंबना है कि ट्रंप उस कार्य योजना को खारिज कर चुके हैं।

युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। यह दोनों पक्षों के लिए हानिकारक ही होता है। साथ ही इससे पूरे विश्व की शांति भी भंग होती है।

इन हरकतों के कठघरे

गलत हरकतें समाज, राज्य या राष्ट्र की किसी भी भूमिका में हों, उनके खिलाफ आम नागरिक को उद्वेलित होना पड़ेगा। हिमाचल के कुछ लम्हे अपना जिक्र कर रहे हैं, जहां कठघरों के बीच हरकतें खड़ी हैं और न्यायाधीश की भूमिका में समाज है या राज्य की व्यवस्था।

कुनिहार के समीप एक स्कूल अध्यापक के चरित्र का जब विश्लेषण हुआ, तो समाज की पहरेदारी में दोष चस्पां हो गए। बुरी नजर के छेद स्कूल की दीवारों को इतना जर्जर बना गए कि 'गुरु परंपरा' घायल होकर तड़पने लगी।

पांवटा साहिब के माजरा क्षेत्र में कथित तौर पर एक लडक़ी के अपहरण से उग्र हुआ माहौल समाज को बैसाखियों पर ले आया, जबकि कानून व्यवस्था के घायल पंख फडफ़ड़ा रहे हैं। शोर जमाने में बहुत था उनके किरदार का, वो तोहमतों से छूट के पाक दामन निकले। पांवटा साहिब में तोहमतें तो समाज और व्यवस्था का छिद्रान्वेषण कर रही थीं, जब झूठ के घूंघट खुले तो किरदार बदल गया। आखिर लव जिहाद की खोज में कब्रें क्यों खोदी जा रही हैं।

इश्क की गलियों ने इकरार क्या किया, मोहल्ले में जूतम पैजार हो गई। उपद्रव की आंख से देखेंगे तो अपने ही समाज के टुकड़े मिलेंगे और यह माहौल शांत प्रदेश की गरिमा को क्षत-विक्षत कर सकता है। सांप्रदायिक विवाद की कई ध्वनियां निकलीं और चबूतरों पर लहूलुहान होता मंजर, हमारे ही बीच के सौहार्द को कैद कर गया।

कौन जीता और किसे कसूरवार ठहराएं। क्या हत्या के प्रयास के मामले में राजीव बिंदल और सुखराम चौधरी के खिलाफ लगे आरोपों को छान कर दूध का दूध या पानी का पानी हो जाएगा या उस युवती के बयान को सुनें, जो अदालत के कठघरे में खड़े अपहरण से एक युवक को निर्दोष बता रही है।

जो भी हो, कानून व्यवस्था का मामला इंतकाम पर क्यों उतारू हो गया। अदालत में एक बालिग लडक़ी का बयान अचानक उन हथियारों से ऊपर हो गया, जो भीड़ में शिकार खोज रहे थे। पुलिस पर हुए तेज धारदार हथियारों के वार बताते हैं कि चुनौती कहीं भीतर से गर्म है। इन लपटों को आगे बढऩे से न रोका गया, तो सामाजिक ताने-बाने से कई मर्यादाएं टूट जाएंगी। तब कोई प्रशासनिक अधिकारी भीड़ के सामने अपराधी घोषित हो जाएगा या फर्ज की कचहरी लूट ली जाएगी। समाज के भीतर युद्ध की घोषणा का अर्थ अगर सियासत है, तो इसे रोकना होगा, टोकना होगा।

सियासी विरोध की एक नई परंपरा अब प्रशासन के गले पड़ रही है। सत्ता और विपक्ष के बीच हिमाचल के मुद्दे और व्यवस्था के प्रश्न उठने चाहिएं। लोकतांत्रिक और चुनावी चरित्र में हिमाचल सदा नागरिक जागरूकता की मिसाल रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से विरोध की दूरबीन नए सुराग खोज रही है। इन्हीं सुरागों की खोज पांवटा साहिब के आचरण को तमतमा गई, तो समाज के दो गुट हो गए।

यहां वो सब कुछ हुआ जो अशोभनीय-निंदनीय कहा जा सकता है। एक बेटी के माथे पर राजनीति ने जो कलंकित शब्द चस्पां किए हैं, क्या वे धुल पाएंगे या अब दो वयस्कों की निजता व स्वतंत्रता के अधिकार को सियासी मंसूबों की छावनी तय करेगी। अंततः सियासत की अदालत से बड़ी साबित हुई कानून की अदालत, लेकिन प्रश्नों की फांस में बयानबाजियों के नाखून चुभ रहे हैं। हम दो संप्रदायों के बीच एक बच्ची के वयस्क अधिकारों को बौना करके समाज को बचाएंगे या एक स्कूल परिसर के भीतर एक गुरु की बुरी नजर से मासूम बेटियों की परवरिश को बचा पाएंगे। हैं बहुत विषय बेटियों की इज्जत के, लेकिन बहस के पैमानों में जहर भर के फैसला नहीं होगा।

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

ललित गर्ग

विश्व में मनी लॉनड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है।

ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।'

आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता।

पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इश्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा।

भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि "आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया।

इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है।

अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेज़बानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर ज़ेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक श्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है।

सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा।

दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ति बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं।

भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं।

एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा।

इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

सीआरबी पहुंचे गोरखपुर, स्पेशल ट्रेन से जाएंगे सिवान; बोले- पूर्वोत्तर रेलवे के लिए गर्व की बात

गोरखपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को सिवान में आयोजित जनसभा से गोरखपुर-पाटलिपुत्र (पटना) वंदे भारत को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। तैयारियों का जायजा लेने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन (सीआरबी) सतीश कुमार बृहस्पतिवार सुबह गोरखपुर पहुंचें। सबसे पहले उन्होंने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया।

पत्रकारों से वार्ता करने के दौरान उन्होंने कहा, बीस जून को पीएम नरेन्द्र मोदी पाटलीपुत्र गोरखपुर वंदे भारत का शुभारंभ करेंगे। यह पूर्वोत्तर रेलवे और यहां की जनता के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यात्री सुविधाओं पर कहा कि तेज़ी से काम किए जा रहे है। आने वाले दिनों में इसका असर देखने को मिलेगा।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष बृहस्पतिवार को रेलवे स्टेशन स्थित एसी लाउंज में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। रेलवे की उपलब्धियों को गिनाते कहा कि रेलवे के विकास के लिए 19,858 करोड़ रुपये बजट मिला है। देश भर में कहा

1300 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें यूपी के 57 स्टेशन शामिल है।

उन्होंने अमृत भरत और वंदे भारत का जिक्र करते हुए बताया कि 50 नई वंदे भारत और 100 अमृत भरत बनाया जा रहा है। जिसमें 50 वंदे भारत जल्दी रेलवे को मिल जाएगी। अमृत भारत को यात्री सुविधाओं के लिहाज से जनरल कोच और स्लीपर कोच युक्त बनाया जा रहा है। कहा कि रेलवे बोर्ड का प्रयास है कि हर सोसायटी की सुविधा के लिए ध्यान दे रहा है कि गोरखपुर कार्य अच्छे हो रहा तेज़ी से पुनर्विकास का काम हो रहा है रनिंग रूम का निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि यहाँ सुविधाएँ व्यवसाय सुधरी है। महाप्रबंधक और डीआरएम के नेतृत्व में बेहतर काम हो रहे हैं।

इस बीच उन्होंने तीसरी लाइन की यह तीसरी लाइन का भी ज़िक्र करते हुए कहा कि दोहरीकरण दोहरीकरण से दूसरी कारण रात का तेज़ी से कार्य चल रहा है आने वाले दिनों में इसका असर देखने को भी मिलेगा। उन्होंने खलीलाबाद से बहराइच के बीच चल रही रेलवे लाइन का ज़िक्र किया साथ ही सहजनवां दोहरीघाट दोहरीघाट, आनंद नगर और घुघली की चर्चा करते हुए कहा कि जल्द से यह काम पूरे होंगे। पत्रकारों के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पुणे स्टेशन का ज़िक्र करते हुए कहा कि पूरे देश में मेजर स्टेशन के आगे और पीछे के स्टेशनों को टर्मिनल स्टेशन बनाया जाएगा, जिससे की अधिक से अधिक ट्रेनें चल सके।

संक्षिप्त समाचार

दहेज की मांग पूरी न होने पर पति ने पत्नी को दिया तीन तलाक, सास-ससुर व पति पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ , एजेंसी। दहेज की मांग पूरी न होने पर इंदिरानगर के खुर्रमनगर निवासी इस्मत जबी को पति व ससुराल वालों ने प्रताड़ित किया और फिर पति ने तीन तलाक दे दिया। बुधवार को पीड़िता ने विकासनगर थाने में पति कामरानुल हक, सास तसनीम और ससुर अनवारुल हक के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है।

इस्मत जबी के मुताबिक 10 जून वर्ष 2019 को उनका निकाह विकासनगर निवासी कामरानुल हक से हुआ था। उनके मुताबिक शादी के बाद से ही पति व ससुराल वाले उनको दहेज के लिए आए दिन प्रताड़ित करने लगे। इतना ही नहीं उन लोगों ने इस्मत को मारपीट कर ससुराल से भगा दिया। काफी प्रयासों के बाद दोनों पक्षों में समझौता हुआ और इस्मत जबी फिर से ससुराल में रहने लगीं। कुछ दिन के बाद फिर से पति, सास व ससुर ने उनको दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं कामरानुल हक ने उनकी बच्ची को छीन लिया और घर से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता मायके आकर रहने लगीं। 4 सितंबर 2024 को कामरानुल हक पीड़ित के मायके पहुंचा और हंगामा करते हुए उनको तीन तलाक दे दिया। एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता ने केस दर्ज कराया है, मामले की जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद का तीखा हमला, बोले- अब पाकिस्तान की मदद से सत्ता पाने की कोशिश कर रही कांग्रेस

लखनऊ , एजेंसी। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब पाकिस्तान की मदद से सत्ता में आने का ख्वाब देख रही है। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस को देश की जनता पर भरोसा नहीं है। एक्स पर दिए गए अपने बयान में उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब देश की जनता के बजाय पाकिस्तान के नेताओं के भरोसे पर ज्यादा निर्भर है। पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख्वाब पाल रही है। केशव ने ये टिप्पणी कांग्रेस नेताओं के भारत-पाकिस्तान के संबंधों को लेकर दिए गए बयानों के जवाब में दी।

पशु तस्करों ने पुलिस पर किया पथराव, एक दारोगा- सिपाही घायल; देर रात की घटना

गोरखपुर , एजेंसी। गुलरिहा इलाके के संगम चौराहा के पास बुधवार की रात पशु तस्करों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें एक दरोगा और एक सिपाही घायल हो गए। दोनों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं, पशु तस्कर मौके से भाग हो गए।

जानकारी के अनुसार, शाहपुर पुलिस बुधवार की रात एक बजे के करीब पशु तस्करों का पीछा कर रही थी। उसी समय गुलरिहा थाने के दरोगा अजीत कुमार और दीवान मोहसिन संगम चौराहे के पास गश्त पर थे। सामने पुलिस को देखकर पशु तस्करों ने गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया।

साथ ही गाड़ी में ठोकर मारकर भाग गए। पत्थर लगने से दरोगा के सिर में चोट आई है। दोनों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। गुलरिहा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

सात ज्योतिर्लिंग यात्रा: गोरखपुर से चलेगी भारत विशेष ट्रेन, कराएगी दर्शन- 11 दिन का होगा अध्यात्म का खास सफर

गोरखपुर, एजेंसी। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) सात ज्योतिर्लिंग का दर्शन कराने के लिए 30 जून से भारत गौरव विशेष ट्रेन चलाएगा। गोरखपुर से चलने वाली यह ट्रेन 11 जुलाई को यात्रा पूरी करके लौटेगी।

भारत गौरव विशेष ट्रेन से यात्रा के दौरान उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिलिंग, ओंमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात में द्वारिकाधीश, भेटद्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नासिक में त्रियंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, पंचवटी, कालाराम मंदिर, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, औरंगाबाद में घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं स्थानीय मंदिर का दर्शन करने का अवसर मिलेगा।

ट्रेन में बैठने और उतरने की सुविधा गोरखपुर जंक्शन, मनकापुर जंक्शन, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, ओरई, झांसी, ललितपुर में उपलब्ध है।आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस यात्रा के कंफर्ट श्रेणी के पैकेज में डीलक्स होटलों के एसी कमरे में रात्रि का विश्राम, वाश एंड चेंज, नाश्ता, दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी बसों से स्थानीय भ्रमण शामिल है।

इस पैकेज में एक व्यक्ति के ठहरने पर 53,260 रुपये देने होंगे। इसी प्रकार स्टैंडर्ड श्रेणी में एसी कमरे में रात्रि का विश्राम, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, नॉन एसी बसों से स्थानीय भ्रमण शामिल है। वाश एंड चेंज की व्यवस्था नॉन एसी बजट होटलों में होगी। पैकेज में एक व्यक्ति के ठहरने पर 40,000 रुपये देने होंगे।

स्लीपर श्रेणी के पैकेज में नॉन एसी बजट होटलों में शेयरिंग में रात्रि का विश्राम, वाश एंड चेंज, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, नॉन एसी बसों से स्थानीय भ्रमण शामिल है। इसके तहत प्रति व्यक्ति 23,500 रुपये लगेंगे।

दुधमुंहे बच्चे का सहारा लेकर महिला से किया दुष्कर्म... पुलिस ने मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

श्रावस्ती , एजेंसी। श्रावस्ती जिले के सिरसिया के फटवा में ऑटो से उतर कर मंगलवार शाम मायके जा रही महिला को बाइक सवार ने जंगल में रोक लिया। इस दौरान महिला के दुधमुंहे बच्चे को छीनकर पटक कर मारने की धमकी देते हुए महिला से दुष्कर्म किया। महिला की तहरीर पर सिरसिया पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान जहां आरोपी के पैर में गोली लगी वहीं दीवान को भी चोट आई। उसके कब्जे से पुलिस ने बाइक, तमंचा, कारतूस व मोबाइल बरामद किया। एसपी घनश्याम चौरसिया के अनुसार सिरसिया क्षेत्र के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती मंगलवार को अपने एक वर्षीय बच्चे को गोद में लेकर मायके जा रही थी। इस दौरान वह भिनगा सिरसिया मार्ग स्थित फटवा के निकट ऑटो से उतर कर पैदल जंगल रास्ते जा रही थी।

इस दौरान नहर पुल पर मौजूद थाना क्षेत्र के गुलरा निवासी अनीश पुत्र छोट्टन ने बाइक से उसका पीछा किया। जैसे ही युवती जंगल में सूनसान स्थान पर पहुंची तभी अनीश ने बाइक रोक कर युवती से उसके दुधमुंहे बच्चे को छीन लिया। इसके बाद आरोपी ने युवती से शारीरिक संबंध बनाने अन्यथा बच्चे को पटक कर मार डालने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने युवती से दुष्कर्म किया।

महिला की तहरीर पर सिरसिया पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। बुधवार देर रात आरोपी बाइक से नेपाल भागने की फिराक में था। उसे थानाध्यक्ष सिरसिया शैलकांत उपाध्याय व एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव ने टीम के साथ छोटकी सुइया गुलरा मार्ग पर घेर लिया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में जहां मुख्य आरक्षी भोला सिंह गिर कर घायल हो गए। वहीं, पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घायल अनीश के कब्जे से पुलिस ने बाइक, 315 बोर तमंचा, कारतूस, मोबाइल व 1050 रुपये बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया। वहां से इलाज के बाद आरोपी को जेल भेजा गया।

ऑटो-टेंपो चालक गलत तरीके से लगाते हाथ

महिलाओं से करते अभद्र बात-चौराहों पर करते हैं मनमानी

कानपुर, एजेंसी। सवारी बैठाने के बहाने हाथ लगाने की कोशिश करना, रास्ता रोकना और फिर ऐसे बर्ताव करना जैसे यह उनका अधिकार है, हर रोज हमें अपमानित करता है। यह पीड़ा ऑटो, टेंपो और ई-रिक्शा में सफर करने वाली महिलाओं ने सुनाई। कुछ ऐसी ही ऑटो, टेंपो और ई-रिक्शा चालकों की अभद्रता बुधवार को जरीब चौकी, फजलगंज और विजयनगर चौराहों पर यहां भी ऑटो, ई-रिक्शा चालक झुंड में खड़े थे। सवारियां बैठाते और उतारते समय वह महिलाओं को छू रहे थे। इससे महिलाएं बचकर निकलती नजर आईं। बच्ची को ट्यूशन से लेकर घर जा रही महिला ने बताया कि वह हर रोज अर्मापुर से फजलगंज अपनी बच्ची को लेकर आती हैं। कॉलेज जाने वाली छात्राएं, कामकाजी महिलाएं भी इन ऑटो चालकों की गंदी हरकतों का शिकार

नजर आई। यहां झुंड में खड़े चालक महिला सवारियों को बैठाने के बहाने उन्हें पकड़ने और छूने की कोशिश करते दिखे। विरोध पर गलत तरीके से बात भी कर रहे थे।

जरीब चौकी चौराहा- दोपहर 2:15 बजे- चौराहे पर ऑटो चालक झुंड में खड़े होकर सवारियां भर रहे थे। आती-जाती महिला सवारियों को वाहन पर बैठाने के बहाने उन्हें छूने की कोशिश करते दिखे। इस पर कई महिलाएं एकदम से चौक गईं। कुछ महिलाओं ने इसका विरोध किया तो कहने लगे कि आपको छेड़ नहीं रहे हैं, सवारी बैठा रहे हैं। यहां मौजूद महिला ने बताया कि कभी-कभी वह अकेले तो कभी पति के साथ सफर करती है। कई बार पति की चालकों से इसी बात पर बहस भी हो गई। हर बार बात बढ़ने पर चालक झुंड में इकट्ठा हो जाते हैं तो चुपचाप वापस जाना पड़ा।

फजलगंज चौराहा- दोपहर 2:45 बजे- हो रही हैं। ऑटो चालक जानबूझकर धक्का-मुक्की करते हैं। विरोध करने पर बहस पर उतर आते है। चालक महिलाओं के सामने आपस में अभद्रता से बात करते हैं, टोको तो कहते हैं आपसे क्या मतलब।

विजयनगर चौराहा- दोपहर 3:15 बजे- चौराहे पर ऑटो, टेंपो चालक तेज आवाज में रास्ता घेरते हुए और हाथ चलाते हुए सवारियां बिठा रहे थे। इस पर महिलाएं खुद को बचाते हुए इन चालकों के पास से गुजर रही थीं। इस दौरान कुछ महिलाओं के हाथ लगे तो उन्होंने इस पर आपत्ति भी जताई पर चालकों पर इसका कोई असर नहीं हुआ। विजयनगर से हैलट जा रही एक महिला स्वास्थ्य कर्मी ने बताया कि इन स्टैंडों के पास अभी भी कोई महिला सुरक्षित नहीं है। यहां दिन में भी महिलाओं से अभद्रता होती है। चालक महिलाओं को बैठाने और सामान रखने के दौरान किसी न किसी बहाने छेड़छाड़ करते हैं।

कानपुर के सीएमओ हरिदत्त नेमी निलंबित किए गए, डीएम से विवाद का ऑडियो हुआ था वायरल

लखनऊ , एजेंसी। कानपुर के जिलाधिकारी जेपी सिंह और सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी के बीच हुए विवाद के तूल पकड़ने के बाद सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी को निलंबित कर दिया गया है। उनकी जगह डॉ. उदय नाथ को कानपुर नगर का मुख्य चिकित्साधिकारी तैनात किया गया है। वह अभी तक अपर मुख्य चिकित्साधिकारी श्रावस्ती के पद पर तैनात थे। बता दें कि कानपुर में जिलाधिकारी पर टिप्पणी करने वाला सीएमओ का कथित ऑडियो वायरल होने के बाद डीएम बनाम सीएमओ के मामले ने तूल पकड़ लिया। इसमें सीएमओ के बचाव में विधानसभा अध्यक्ष सहित तीन जनप्रतिनिधि भी उतर आए। वहीं, बिठूर विधायक ने मुख्यमंत्री से डीएम के समर्थन में पत्र लिखकर अपील की है। इस मामले की चर्चा कानपुर से लेकर लखनऊ तक हो रही है।

महाना के अलावा गोविंदनगर विधायक सुरेंद्र मैथानी, एमएलसी अरुण पाठक की ओर से सीएमओ को महानगर से नहीं हटाने का पत्र प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को लिखा था। इन सभी का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि इन जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा है कि यदि डीएम ने सीएमओ के खिलाफ कोई अनियमितता या कार्य में लापरवाही पकड़ी है, तो उस पर वह कड़ी कार्रवाई करें।

सीएमओ ने रखा था अपना पक्ष, बोले- डीएम को गलत फीड किया गया- डीएम को लेकर सीएमओ के वायरल ऑडियो के विवाद को लेकर सीएमओ हरिदत्त नेमी ने अपना पक्ष रखा था। उन्होंने स्वीकार किया कि डीएम ने उनको बैठक से बाहर जाने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार भी किया। उनका कहना था कि व्यवस्था सुधारने के लिए उनकी सख्ती से नाखुश लोगों ने ही उनके बारे में डीएम को गलत फीड किया।

सीएमओ डॉ. नेमी ने कहा कि डैश बोर्ड की बैठक से बाहर निकाला जाना उनके लिए अपमानजनक स्थिति रही। कुछ लोगों ने ऑडियो क्लिप बनवाकर सोशल मीडिया पर डाल दी। क्लिप से उनका कोई लेना-देना नहीं है। विभागीय पटल बदल देने से विभाग के कुछ लोग उनसे नाराज हो गए। इसके अलावा एक फर्म का उन्होंने भुगतान रोक दिया था। यह फर्म दवा सप्लाई करती है।

जिंदगी भर की दोस्ती मौत ने भी न तोड़ी... तीन जिगरी दोस्त, साथ जिए और साथ खत्म हुए; आगरा में दर्दनाक हादसा

आगरा , एजेंसी। आगरा में झरना नाले के पास स्थित शाहदरा फ्लाईओवर पर हुए हादसे में जान गंवाने वाले तीनों जिगरी दोस्त थे। वह तीनों एक साथ काम पर जाते थे और शाम को साथ ही रहते थे। सुबह रोज टहलने के लिए साथ जाते थे। हादसे में पलक झपकते ही तीनों की मौत हो गई। देर शाम को उनका अंतिम संस्कार भी एक साथ किया गया। शाहदरा फ्लाईओवर से बेकाबू होकर लोडर गाड़ी सर्विस रोड पर तीन बार पलटी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तब तीनों दोस्त सड़क की पटरी पर बैठे हुए थे। तीनों तड़के साढ़े चार बजे ही घर से निकले थे। टहलने के बाद सुस्ताने के लिए बैठे हुए थे। इनमें हरीबाबू और रामेश्वर एक साथ नुनिहाई स्थित खराद फैक्टरी में काम करते थे, जबकि राजेश चेन के कारखाने में काम करते थे। हादसे की जानकारी पर जल निगम में कार्यरत शाहदरा निवासी अमन कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके पिता हरीबाबू अपने दोनों दोस्तों की राय के बिना कोई भी काम नहीं करते थे। तीनों साथ में बैठकर खाना खाते और रोज सुबह टहलने भी साथ ही जाते थे।

29 जून से निर्धारित रूट पर ही चलेंगे ई-रिक्शे, बिना बार कोड वाले रिक्शों पर होगी सख्त कार्रवाई

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने के लिए बुधवार को पंजीकृत ई-रिक्शों को क्यूआर कोड वितरण का अभियान शुरू हुआ। नगर निगम मुख्यालय में महापौर, कमिश्नर, जेसीपी ने पंजीकृत ई-रिक्शों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरी झंडी दिखाने से पहले महापौर ने आईटी प्रभारी के मोबाइल में एप से ई-रिक्शे पर चिपकाया गया क्यूआर कोड स्कैन किया। ऐसा करते ही मोबाइल स्क्रीन पर उससे संबंधित जानकारियां दिखने लगीं आईटी प्रभारी ने शुभारंभ समारोह में अधिकारियों को इसकी जानकारी भी दी।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया गया कि 28 जून तक क्यूआर कोड वितरित करने के बाद 29 से तय रूट पर ही ई-रिक्शे चलेंगे। पंजीकरण कराने के लिए समयावधि बढ़ा दी गई है। सभी ई-रिक्शा संचालकों को पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। 29 जून से पंजीकरण न कराने वाले ई-

रिक्शों पर कार्रवाई की जाएगी। ई-रिक्शों का रूट निर्धारित किया गया है। क्यूआर कोड ई-रिक्शों पर चिपकाकर दिया गया है। कोड स्कैन करने से गाड़ी मालिक, चालक, निर्धारित रूट आदि का पता चलेगा।

7500 ई-रिक्शों का हो गया है पंजीकरण- सरकार ने इनका सत्यापन किया है। इन रिक्शों में यात्री भी सुरक्षित रहेंगे। शहर में चुनौती ट्रैफिक जाम की है, क्योंकि ई-रिक्शों के रूट निर्धारित नहीं थे। सभी एक ही चौराहे पर पहुंचकर इकट्ठा हो जाते थे, इससे जाम लगता था। प्रयास है कि रिक्शा संचालक खुद आकर पंजीकरण कराएं ऐसा न करने वालों पर सख्ती भी होगी। पंजीकृत ई-रिक्शा संचालकों को मेडिकल इंश्योरेंस सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। नगर आयुक्त ने बताया कि 7500 ई-रिक्शों का पंजीकरण हो गया है।

मोबाइल एप और वेब पोर्टल से किया गया इंटीग्रेट- जिन 10 स्थलों पर कैंप लगे थे, उन्हीं स्थानों पर उन्हें 10 दिन तक क्यूआर कोड वितरित किए जाएंगे। इसके लिए 120 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है। पंजीकरण अभियान जारी रहेगा। इसके बाद सख्ती करेंगे। जिला प्रशासन, यातायात पुलिस, आरटीओ, नगर निगम समेत अन्य विभागों ने रूट निर्धारित किए हैं। क्यूआर कोड लगे ई-रिक्शा को क्षेत्रीय परिवहन के डाटा से लिंक करते हुए नगर निगम की ओर से तैयार मोबाइल एप और वेब पोर्टल से इंटीग्रेट किया गया है।

ये है क्यूआर कोड की खासियत

कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड (केएससीएल) के आईटी प्रभारी राहुल सब्बरवाल ने बताया कि शहर को चार जोनों और 40 रूटों में बांटा गया है। चारों रूटों के रंग अलग-अलग हैं। जिन ई-रिक्शों का दो जोनों वाले रूट के लिए पंजीकरण किया गया है, उनके क्यूआर कोड स्टीकर उन्हीं रूटों के दोनों रंगों से बनाए गए हैं।

होलोग्राफिक थ्री-डी हैं स्टीकर

क्यूआर कोड के स्टीकर होलोग्राफिक थ्री-डी हैं। इनपर रोशनी पड़ने पर कानपुर पुलिस, कानपुर नगर निगम अंकित नजर आएगा। ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि कोई ऐसा नकली स्टीकर न बना पाए। यदि नकली बनाया भी तो उसमें क्यूआर कोड स्कैन नहीं होगा। पुलिस कहीं भी ई-रिक्शे के क्यूआर कोड को स्कैन कर जांच और गड़बड़ी होने पर कार्रवाई कर सकेगी।

क्या चोटिल हैं टीम इंडिया के टी20 कप्तान? इलाज के लिए लंदन पहुंचे SKY

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इन दिनों स्पोर्ट्स हर्निया की समस्या से परेशान हैं और अब इस समस्या का इलाज करवाने के लिए इंग्लैंड रवाना हो गए हैं। वहां वे इस बीमारी के विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेंगे और यदि जरूरत पड़ी, तो सर्जरी का फैसला भी लिया जा सकता है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2025 में बेहतरीन फॉर्म दिखाई थी और 700 से ज्यादा रन बनाकर टूर्नामेंट में चमके थे। आईपीएल के बाद भी उन्होंने मुंबई टी20 लीग में हिस्सा लिया, जबकि वह पहले से ही इस चोट से जूझ रहे थे।

तीन महीने से बढ़ रही थी परेशानी

सूर्यकुमार यादव पिछले तीन महीने से स्पोर्ट्स हर्निया की समस्या से जूझ रहे थे, जिसमें आईपीएल में लगातार यात्रा के चलते उनका दर्द काफी ज्यादा बढ़ गया था। सूर्या के एक करीबी ने दिए अपने बयान में बताया कि सूर्यकुमार यादव पेट के निचले हिस्से में दाहिनी तरफ स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हैं। वह सलाह लेने के लिए इंग्लैंड गए हैं। यदि आवश्यक हुआ तो वह सर्जरी करवाएंगे। वहीं सूर्या की इस इंजरी को लेकर बीसीसीआई के सूत्र ने दिए अपने बयान में कहा कि टीम इंडिया को अभी अगले 2 महीने कोई टी20 मैच या सीरीज नहीं खेलनी है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव के पास ये अच्छा समय है जब वह अपनी चोट का इलाज करा सकते हैं और उन्हें बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इससे उबरकर पूरी तरह से फिट होने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।

अगस्त में खेलना है भारत को अगला टी20 मुकाबला

टीम इंडिया फिलहाल शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को खत्म होगी।

कोहली के रिटायरमेंट के बाद नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के उप कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। जबकि वे खुद नंबर-5 पर खेलेंगे। 27 साल के पंत ने बुधवार को हेंडिंग्ले टेस्ट से पहले कहा- मुझे लगता है कि अब भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि नंबर-3 पर कौन खेलेगा, लेकिन चौथे और पांचवें नंबर पर फैसला हो चुका है। मुझे लगता है कि शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और मैं 5वें नंबर पर ही खेलूंगा और बाकी हम इस पर चर्चा करते रहेंगे। 12 मई को विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद भारतीय टीम में नंबर-4 की बैटिंग पोजिशन खाली थी। इस पर कई दावेदार सामने आ रहे थे। बता दें कि टेस्ट क्रिकेट में नंबर-4 की पोजिशन सबसे अहम है।

पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। गिल के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे पंत ने गिल के साथ अपने संबंध के सवाल पर कहा- मैदान के बाहर मेरा और शुभमन का रिश्ता बहुत अच्छा है। अगर आप मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं तो यह रिश्ता आखिरकार मैदान पर भी कायम रहता है। इस बात पर मेरा हमेशा विश्वास रहा है। शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि पंत उप कप्तान बने हैं।

आईपीएल की कोच्चि फ्रेंचाइजी मामले में बीसीसीआई को 538 करोड़ रुपए चुकाने का आदेश

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को झटका देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने बंद हो चुकी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोच्चि टस्कर्स केरला को 538 करोड़ रुपए का भुगतान करने के मध्यस्थता आदेश को बरकरार रखा है। न्यायालय ने एक दशक से अधिक समय से चल रहे आईपीएल फ्रेंचाइजी विवाद में मध्यस्थता के फैसले को चुनौती देने वाले बीसीसीआई के मुकदमे को खारिज कर दिया है। कई प्रयासों के बावजूद, बीसीसीआई के अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं रहे। बीसीसीआई ने 2011 में एक सत्र के बाद कोच्चि फ्रेंचाइजी को समाप्त कर दिया था, जिसमें टीम पर समय पर बैंक गारंटी जमा करने में विफल रहने के बाद अनुबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, जो समझौते के तहत आवश्यक था। मालिकों के बीच मतभेद के कारण फ्रेंचाइजी बीसीसीआई को अपना भुगतान करने में असमर्थ थी। मामला मध्यस्थता के लिए गया और 2015 में मध्यस्थता अदालत ने बीसीसीआई को 538 करोड़ रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया – केसीपीएल को 384 करोड़ रुपए और रेंडेज़वस स्पोर्ट (कोच्चि फ्रेंचाइजी के मालिक) को 153 करोड़ रुपए। बीसीसीआई मध्यस्थता अदालत के आदेश से नाखुश था और उसने हाई कोर्ट में न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देने का फैसला किया। बुधवार को न्यायालय ने मध्यस्थ के निर्णय को बरकरार रखा। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा, मध्यस्थता अधिनियम की धारा 34 के तहत इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित है। विवाद के गुण–दोषों की जांच करने का बीसीसीआई का प्रयास अधिनियम की धारा 34 में निहित आधारों के दायरे के विपरीत है। साक्ष्य और/या गुण–दोषों के संबंध में दिए गए निष्कर्षों के बारे में बीसीसीआई का असंतोष फैसले को चुनौती देने का आधार नहीं हो सकता।

एशियन पैरा कैनो चैंपियनशिप में मनीष यादव ने सिल्वर जीतकर बढ़ाया देश का मान

भोपाल, एजेंसी। एशियन पैरा कैनो चैंपियनशिप में देश के लिए रजत पदक जीतकर मनीष यादव ने भारत का मान बढ़ाया है। मनीष यादव ने थाईलैंड के पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। खुशी जाहिर करते हुए मनीष ने बताया कि वह बीते दो वर्षों से भोपाल में लगातार अभ्यास कर रहे थे। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने अपने परिवार और कोच को धन्यवाद दिया। मनीष ने कहा कि उनके कोच ने हमेशा उनका मनोबल बढ़ाया और भरोसा दिलाया कि वह यह खिताब जीत सकते हैं। मनीष ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर आसान नहीं था। इस दौरान कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन हार नहीं मानी। पटाया में जब उन्होंने सिल्वर मेडल जीता, तो उस क्षण की खुशी शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचाने में सहयोग देने वाले हर व्यक्ति के प्रति वह आभार व्यक्त करते हैं। मनीष यादव ने घर लौटने पर जोरदार स्वागत के लिए भी सभी का धन्यवाद दिया। उन्होंने देश के युवाओं को संदेश दिया कि कभी भी हिम्मत न हारें और अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान दें, सफलता एक न एक दिन जरूर मिलती है।

लीड्स टेस्ट से कट सकता है कुलदीप यादव का पत्ता

इंडिया-इंग्लैंड पहला टेस्ट आज से

नई दिल्ली, एजेंसी। हेडिंग्ले में होने वाले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान पहले ही कर दिया है. ऐसे में सारी निगाहें अब टीम इंडिया पर जम गई है. ऐसा माना जा रहा है कि टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में रवींद्र जडेजा इकलौते स्पिनर हो सकते हैं.

ये कयास टीम इंडिया के उस प्रैक्टिस सेशन को देखकर लगाए जा रहे हैं, जिससे लगने लगा है कि कुलदीप को अपनी बारी के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. मतलब उनका नाम शुरू होने से पहले ही लीड्स टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से कटा दिख रहा है. भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 20 जून से शुरू हो रहा है.

क्या कुलदीप यादव होंगे प्लेइंग से बाहर?

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में 2 स्थानों को लेकर चर्चा ज्यादा है. एक जिसका जिक्र टीम के उप-कप्तान ऋषभ पंत ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी किया था- नंबर 3 की पोजिशन और दूसरी की क्या भारत को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए? वहीं कुलदीप को अपनी बारी के लिए एजबेस्टन या ओवल का इंतजार करना पड़ सकता है.

प्रैक्टिस सेशन में रहा पेसर्स पर जोर

हेडिंग्ले के पहले प्रैक्टिस सेशन में टीम इंडिया का सारा फोकस उसके अपने तेज गेंदबाजों पर रहा. बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा नेट्स पर लगातार बॉलिंग करते दिखे. इन सभी ने टीम के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्केल की निगरानी में अपनी गेंदबाजी पर काम किया. रिपोर्ट में ये भी कहा गया भारतीय टीम मैनेजमेंट शार्दुल और नीतीश दोनों को चुनने का दिलचस्प फैसला कर सकती है.

कुलदीप का टेस्ट रिकॉर्ड

अश्विन के रिटायरमेंट के बाद कुलदीप टीम इंडिया में जगह पक्की करने में लगे हैं. उन्होंने अभी तक 13 टेस्ट में 56 विकेट चटकाए हैं. इंग्लैंड की जमीन पर कुलदीप ने एकमात्र टेस्ट साल 2018 में खेला था. लॉर्ड्स में खेले उस मुकाबले में वो विकेटलेस रहे थे. इंग्लैंड के खिलाफ उनके रिकॉर्ड की बात करें तो वो कमाल का रहा है. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 6 टे.ट में 22.28 की औसत से 21 विकेट झटके हैं.

लीड्स में 2 स्पिनर के साथ जीता था आखिरी बार टेस्ट

ऐसा नहीं है कि भारत लीड्स में पहले 2 स्पिनर के साथ नहीं उतरा. 2002 में जब उसने यहां जीत दर्ज की थी, तो उस मैच में तत्कालीन कप्तान गांगुली ने कुंबले और हरभजन दोनों को खिलाया था.

उन दोनों स्पिनर ने मिलकर उस मैच में 11 विकेट भी लिए थे. ऐसे में अब देखना ये होगा कि नए कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गंभीर क्या फैसला करते हैं- कुलदीप के साथ जाने का या उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने का.

325 रन ठोके, 20 विकेट झटके... भारत को हराने के लिए इंग्लैंड की टीम में लौटा ये बड़ा खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की टीम ने लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया को हराने के लिए बड़ा दांव चल दिया है. अंग्रेजों की टीम में एक ऐसे खिलाड़ी की वापसी हुई है जिसने गेंद और बल्ले से हमेशा टीम इंडिया को चोट पहुंचाई है. बात हो रही है ऑलराउंडर क्रिस वोक्स की जो इंग्लैंड की टीम में वापस लौटे हैं. इस ऑलराउंडर का भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अच्छा रिकॉर्ड है. खासतौर पर अपने घर पर तो वोक्स ने टीम इंडिया को हमेशा चुनौती दी है. वोक्स का भारत के खिलाफ कैसा रिकॉर्ड है, ये आप आगे जानिए. क्रिस वोक्स ने टीम इंडिया के खिलाफ 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें वो 40 से ज्यादा की औस तसे 325 रन बना चुके हैं. यही नहीं उन्होंने साल 2018 में लॉर्ड्स टेस्ट में भारत के खिलाफ शतक भी लगाया था. इस मुकाबले में उन्होंने नाबाद 137 रनों की पारी खेली थी. बड़ी बात ये है कि वोक्स ने भारत के खिलाफ ये पारी नंबर 7 पर उतरकर खेली थी.

इस पारी के साथ ही उन्होंने उन्होंने 1962 में गॉडफ्रे इवांस का रिकॉर्ड तोड़ा था. इस पारी ने इंग्लैंड को दूसरा टेस्ट जीतने में मदद की, और वोक्स को लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए जगह मिली. अपनी सरजमीं पर तो वोक्स और ज्यादा खतरनाक हैं.भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट में वो 6 टेस्ट में 58 की औसत से 232 रन बना चुके हैं. उन्होंने इसके अलावा 17 विकेट भी चटकाए हैं.

वोक्स को कौन सी ताकत बनाती है खतरनाक

वोक्स का इंग्लैंड में अच्छा रिकॉर्ड इस बात को साबित करता है कि वो वहां की पिच को अच्छे से समझते हैं. वोक्स के पास गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने का दम है. वो बादल छाते ही बल्लेबाजों पर कहर बरपा देते हैं. भारत की अनुभवहीन बल्लेबाजी जिसमें शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर जैसे बल्लेबाज शामिल हैं, उनके लिए वोक्स बड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं. साफ है अगर टीम इंडिया को इंग्लैंड में विजयी पताका लहरानी है तो उसके लिए वोक्स पर काबू पाना ही होगा.

गंभीर पर निकाली भड़ास? टेस्ट टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के पोस्ट से मचा बवाल

कर्म बदला लेते हैं...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैंचो की टेस्ट सीरीज 20 जून से लीड्स में शुरू हो रही है, लेकिन उससे पहले ही भारतीय टीम के खिलाड़ी के एक इंस्टाग्राम पोस्ट ने हलचल मचा दी है. इस पोस्ट में कर्मों के फल की बात कही गई है. फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स के बीच अब उनके इस पोस्ट को लेकर चर्चा गर्म है कि क्या यह खिलाड़ी टीम चयन से नाराज हैं और क्या उनका इशारा टीम मैनेजमेंट या कोच गौतम गंभीर की तरफ है? हम बात कर रहे हैं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, जो अभी इंग्लैंड से भारत लौटे हैं. इंग्लैंड दौरे पर भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दो अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले खेले गए थे. इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में मुकेश कुमार को भी शामिल किया गया था. मैच में प्रदर्शन के बाद कुछ खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मौका मिला, लेकिन मुकेश को वापस भारत भेज दिया गया था. मुकेश ने इस दौरे पर खेले गए पहले प्रेक्टिस मैच में 25 ओवर में 3 विकेट चटकाए थे और 92 रन दिए थे.

मुकेश कुमार ने पोस्ट में क्या लिखा?

भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में शामिल नहीं किया गया और वह बाकी खिलाड़ियों के साथ भारत लौट आए थे. 18 जून को भारत लौटने के बाद मुकेश ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी में लिखा, हर कर्म का अपने समय से हिसाब होता है. आपको हमेशा सतर्क रहना चाहिए क्योकि कर्मों की माफ नहीं होती और वो बदला जरूर लेते हैं. हालांकि उन्होंने इस स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी. कई फैंस और क्रिकेट जानकारों का मानना है कि यह पोस्ट कहीं न कहीं टेस्ट टीम के चयन से जुड़ी नाराजगी को दर्शाता है.

उसी मुकाबले में हर्षित राणा ने 27 ओवर में 95 रन देकर सिर्फ एक विकेट ही लिया था. इसके बावजूद मुकेश को नजरअंदाज कर हर्षित को टेस्ट टीम में जगह दी गई है. यही बात अब विवाद की वजह बन गई है.

गंभीर की पसंद हैं हर्षित

क्रिकेट फैंस में चर्चा है कि गौतम गंभीर की नजरों में हर्षित राणा एक खास खिलाड़ी हैं. गंभीर आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स में बतौर मेंटॉर टीम के साथ रहे थे और हर्षित भी उस समय टीम का हिस्सा थे. उनके सामने ही आईपीएल के इस सीजन में ही हर्षित ने दमदार प्रदर्शन किया था. यही नहीं इंडिया के हेड कोच बनते ही हर्षित ने भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में डेब्यू भी कर लिया था.

मुकेश का अबतक का क्रिकेट का सफर

31 वर्षीय मुकेश कुमार ने पिछले दो सालों में भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए लगातार मेहनत की है.